राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI NO.-UPHIN/2021/80397

न्यूज़ वाणी

www.newswani.in

लखनऊ एवं फतेहपुर से प्रकाशित

वर्ष 05 अंक- 36 | लखनऊ, गुरूवार, 06 फरवरी 2025 | पेज : 06 | मूल्य : 1.00 -रूपया

पीएम मोदी ने संगम में लगाई आस्था की डुबकी, मां गंगा का किया पूजन

महाकुंभ नगर (प्रयागराज) एजेंसी। हिंदू पंचांग के अनुसार इस साल 5 फरवरी को माघ मास की गुप्त नवरात्रि की अष्टमी तिथि है। इस दिन का धार्मिक महत्व अत्यंत विशेष माना जाता है, क्योंकि इसे ध्यान, तप और साधना के लिए अत्यंत शुभ तिथि माना गया है। मान्यता है कि जो व्यक्ति इस दिन पवित्र नदी में स्नान करता है और साधना करता है, उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इसी दौरान केसरिया वस्त्र धारण कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को भक्ति-प्रेम-ज्ञान रूपी गंगा-यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम तट पर लगे विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक समागम वाले महाकुंभ में अपने मौन से पूरी दुनिया काध्यान खींचा। मोदी ने विशेष मुहूर्त में अमृतमयी त्रिवेणी में 11 डुबकी लगाई। भगवान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही मां गंगा का दुग्धाभिषेक कर देशवासियों के आरोग्य और कल्याण की कामना की। इसके बाद ध्यानमग्न मुद्रा में 108 बार रुद्राक्ष की माला का जप किया। स्नान, तप और ध्यान के समय संगम पर मोदी का एकांत बहुत कुछ बयां कर रहा था। मौनी अमावस्या स्नान हादसे के आठ दिन बाद बुधवार को पीएम मोदी दोपहर करीब 12ः05 बजे अरैल घाट से मोटरबोट से संगम पहुंचे। गुप्त नवरात्र में भीमा अष्टमी तिथि पर भरनी नक्षत्र और शुक्ल योग में पीएम मोदी ने लाल वस्त्र में संगम में 11 डुबकी लगाई। इसके बाद सूर्य को अर्घ्य देकर उन्होंने पूर्वाभिमुख होकर 108 बार रुद्राक्ष की माला भी जपी। मोदी ने मां गंगा को चुनरी चढ़ाई। इसके बाद तांबे की लुटिया में लाए जल से सोना, काला तिल के साथ तर्पण-अर्पण किया। पुजारी राजेश तिवारी, अभिषेक शुक्ला और गिरीश मिश्रा ने षोडशोपचार विधि से मां गंगा का दुग्धाभिषेक और सविधि पूजन कराया। करीब 25 मिनट तक पीएम मोदी संगम तट पर स्नान, पूजा, ध्यान और गंगा आरती करते रहे। पीएम मोदी माघ महीने की अष्टमी तिथि पर संगम में डुबकी लगाकर देशवासियों की कल्याण की। इस दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ जेटी पर मौजूद थे। इसके बाद एक्स हैंडल पर पीएम मोदी ने संगम में स्नान की तस्वीरों को साझा करते हुए लिखा, मां गंगा का आशीर्वाद पाकर मन को असीम शांति और संतोष मिला। उन्होंने मां गंगा से सभी देशवासियों के सुख-समृद्धि, आरोग्य और कल्याण की भी कामना की। अगले पोस्ट में कुछ और तस्वीरों को साझा करते हुए पीएम ने लिखा कि प्रयागराज के दिव्य-भव्य महाकुंभ में आस्था, भक्ति और अध्यात्म का संगम हर किसी को अभिभूत कर रहा है। इससे पहले पीएम वायुसेना के विशेष विमान से बम्हरौली एयरपोर्ट पहुंचे और फिर अरैल घाट के पास बने हेलीपैड पर हेलिकॉप्टर से उतरे। वहां से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उन्हें बोट से लेकर संगम पहुंचे थे। उल्लेखनीय है कि 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा से शुरू हुए विश्व से इस सबसे बड़े सांस्कृतिक-धार्मिक समागम में महाकुंभ में अब तक 39 करोड़ से अधिक लोग संगम में स्नान कर चुके हैं। महाकुंभ का आखिरी स्नान 26 फरवरी को महाशिवरात्रि को होगा।

इससे पूर्व पीएम मोदी ने महाकुम्भ की शुरुआत से एक माह पूर्व 13 दिसंबर को प्रयागराज का दौरा किया था और 5500 करोड़ रुपए की 167 परियोजनाओं की सौगात दी थी। इसमें यात्री सुविधाओं के लिए रेलवे स्टेशनों के अपग्रेडेशन और डेवलपमेंट के साथ-साथ आरओबी फ्लाईओवर, सड़कों का चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण और सौंदर्यीकरण की प्रमुख परियोजनाएं सम्मिलित थीं।

पीएम नरेंद्र मोदी ने संगम में डुबकी लगाने के बाद पूजा अर्चना की। - फोटो = पीटीआई।

इसके अतिरिक्त, स्थायी घाटों, रिवर फ्रंट, सीवरेज, पेयजल सुविधाओं के साथ विद्युत आपूर्ति से जुड़ी परियोजनाओं का भी शुभारंभ किया था। यही नहीं, पीएम मोदी ने अक्षयवट कॉरिडोर, सरस्वती कूप कॉरिडोर, बड़े हनुमान मंदिर कॉरिडोर, भारद्वाज ऋषि आश्रम कॉरिडोर, श्रृंगवेरपुर धाम कॉरिडोर का भी शुभारंभ किया था। इन परियोजनाओं और कॉरिडोर के शुभारंभ का उद्देश्य न सिर्फ श्रद्धालुओं के लिए महाकुम्भ के अनुभव को यादगार बनाना था, बल्कि तीर्थराज प्रयागराज को प्रगति की नई दिशा दिखाना भी था। एसपी ट्रैफिक मेला अंशुमान मिश्रा ने बताया कि अरैल में पीएम के आने के दौरान कुछ देर के लिए वीआईपी घाट तक जाने वाले रास्ते पर यातायात प्रतिबंधित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संगम स्नान के बाद मां गंगा की पूजा की। मां गंगा की पूजा करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। इस दौरान मंत्र उच्चारण के बीच उन्होंने व्यवस्थित तरीके से पूजा की प्रक्रिया को पूरा किया।

कोई परेशानी, प्रशासन ने बनाई है ऐसी व्यवस्था

प्रयागराज । पीएम मोदी एमआई 17 हेलिकॉप्टर से बमरौली एयरपोर्ट और फिर वहां से हेलिकॉप्टर से ही अरैल के डीपीएस हेलीपैड पर उतरेंगे। इसके बाद जलमार्ग से मेला क्षेत्र पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री के आगमन के दौरान बुधवार को आम श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। पीएम हवाई मार्ग से बमरौली एयरपोर्ट और वहां से अरैल पहुंचेंगे। वहां से जलमार्ग से मेला क्षेत्र में आएंगे। मेला क्षेत्र में उनके कार्यक्रम की अवधि के दौरान चुनिंदा मार्गों पर ही कुछ देर के लिए प्रवेश प्रतिबंधित किया जाएगा। अन्य किसी तरह का यातायात डायवर्जन कहीं भी लागू नहीं रहेगा। पीएम एमआई 17 हेलिकॉप्टर से बमरौली एयरपोर्ट और फिर वहां से हेलिकॉप्टर से ही अरैल के डीपीएस हेलीपैड पर उतरेंगे। इसके बाद जलमार्ग से मेला क्षेत्र पहुंचेंगे। उनके कार्यक्रम के दौरान आम श्रद्धालुओं को किसी तरह की दिक्कत न हो, इसका पूरा ख्याल रखा जाएगा। एसपी ट्रैफिक मेला अंशुमान मिश्रा ने बताया कि अरैल में पीएम के आने के दौरान कुछ देर के लिए वीआईपी घाट तक जाने वाले रास्ते पर यातायात प्रतिबंधित किया जाएगा। इसके अलावा अन्य किसी तरह की डायवर्जन व्यवस्था लागू नहीं की गई है। एसपीजी पहुंची, मेला क्षेत्र में चप्पे-चप्पे की तलाशी पीएम के कार्यक्रम के मद्देनजर स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) की टीम मंगलवार सुबह ही प्रयागराज पहुंच गई। टीम ने कमिश्नरेट व मेला पुलिस के आला अफसरों संग बैठक की और सुरक्षा को लेकर व्यापक दिशा निर्देश दिए। पीएम के आगमन को देखते हुए शाम से ही उन स्थलों की सुरक्षा बढ़ा दी गई, जहां उन्हें जाना है। डॉग स्क्वाड व एंटी सेबोटाज टीमों ने सभी प्रमुख स्थलों पर पहुंचकर चप्पे-चप्पे की तलाशी ली। एटीएस व एनएसजी के साथ सुरक्षा में लगीं अन्य टीमें भी अलर्ट कर दी गई हैं। संगम क्षेत्र में पैरामिलिट्री फोर्स भी तैनात कर दी गई है।

संक्षिप्त खबरे

दुष्कर्म के आरोपी ने पीड़िता को वीडियो कॉल पर धमकाया

रबूपुरा । दुष्कर्म के आरोपी द्वारा पीड़ित युवती को वीडियो कॉल पर पिस्टल दिखाकर धमकाने का मामला सामने आया है। आरोपी ने पीड़िता को मुकदमा वापस नहीं लेने और उसके खिलाफ गवाही देने पर परिवार समेत जान से मारने की धमकी दी है। इससे युवती और उसका परिवार डरा हुआ है। शिकायत के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि 20 अगस्त 2023 को रबूपुरा कस्बा के मोहल्ला आंबेडकर नगर निवासी एक युवती ने अपने पड़ोस में रहने वाले अजीत कुमार के खिलाफ शादी का झांसा देकर आठ माह तक दुष्कर्म करने का मुकदमा दर्ज कराया था। आरोपी खुद को एक पार्टी का सक्रिय कार्यकर्ता बताता है। पुलिस ने उसको गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। फिलहाल यह मामला जनपद न्यायालय में चल रहा है। इसमें आगामी 11 फरवरी को पीड़िता की गवाही होनी है। इससे पहले मंगलवार रात को आरोपी ने पीड़ित युवती के फोन पर वीडियो कॉल कर उसे पिस्टल दिखाकर गाली गलौज करते हुए धमकी दी। आरोपी ने धमकी दी कि यदि केस की पैरवी के लिए प्राइवेट वकील किया और उसके खिलाफ गवाही दी तो उसको और उसके पूरे परिवार को जान से मार देगा। इसकी जानकारी युवती ने अपने घरवालों को दी। पीड़िता के पिता ने पुलिस से इसकी शिकायत करते हुए सुरक्षा की गुहार लगाई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

बजट एक विश्लेषण विषय पर सेमिनार का आयोजन

नोएडा। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बुधवार को बजट 2025 एक विश्लेषण विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं द्वारा बजट पर अपने विचार प्रकट कर शोधपत्र प्रस्तुत किए। इसमें छात्र-छात्राओं में हिमांशु राणा, जय चौधरी, निशा भाटी और अभिषेक खारी ने बजट 2025 एक अवलोकन और ऋतिक दुबे और समरीन ने कृषि, हिमांशु कौशिक ने विनिर्माण और सेवा क्षेत्र, अनुकृति ने विनिर्माण एवं पर्यटन और शोधार्थी यशकांत ने बजट 2025 का निष्कर्ष जैसे विषयों पर प्रस्तुतिकरण दिया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. आरके गुप्ता ने बजट के अंतर्गत सरकारी आय-व्यय, कर के उद्देश्यों और सिद्धांतों की विस्तार से चर्चा की। साथ ही आय और पूंजी में अंतर, घाटे के बजट एवं हीनार्थ प्रबंधन एवं कर स्लैब्स विषय से जागरूक किया। वहीं प्रोफेसर दिनेश चंद्र शर्मा ने कहा कि बजट आय और व्यय का लेखा जोखा होता है व किसी भी देश की आर्थिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अखिलेश ने पुलिस पर मतदाताओं के पहचान पत्र जांचने का आरोप लगाया ; अधिकारियों को हटाने की मांग की

संवाददाता।

लखनऊ । समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को आरोप लगाया कि मिल्कीपुर विधानसभा के उपचुनाव में पुलिस अधिकारी मतदाताओं के पहचान पत्रों की जांच कर रहे हैं और निर्वाचन आयोग से इन पुलिस अधिकारियों को तत्काल हटाने की मांग की है। अयोध्या के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजकरण नैयर ने सपा प्रमुख के आरोपों का खंडन किया है।

यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक तस्वीर साझा करते हुए पोस्ट कर कहा, ''निर्वाचन आयोग तुरंत इस समाचार से जुड़ी तस्वीरों का संज्ञान ले कि अयोध्या की पुलिस मिल्कीपुर में मतदाताओं के 'आईडी कार्ड' चेक कर रही है, जिसमें पुलिस के बड़े अधिकारी भी शामिल हैं।'' सपा प्रमुख द्वारा साझा की गयी तस्वीर में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी किसी मतदाता का दस्तावेज देखता नजर आ रहा है। यादव ने अपनी पोस्ट में कहा, ''ये अप्रत्यक्ष रूप से मतदाताओं में भय उत्पन्न करके मतदान को प्रभावित करने का लोकतांत्रिक अपराध है। ऐसे लोगों को तुरंत हटाया जाए और दंडात्मक कार्रवाई की जाए।'' इसके जवाब में अयोध्या के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजकरण नैयर ने कहा कि 'एक्स' पर पोस्ट की गयी तस्वीर में पुलिसकर्मी एक मतदान एजेंट की पहचान की पुष्टि कर रहे हैं।

नैयर ने इस बात पर जोर दिया कि पुलिस के अधिकारी मतदाताओं के पहचान पत्रों की जांच नहीं कर रहे हैं।

सोच-समझकर किए गए मतदान से लोकतंत्र मजबूत, मतदान प्रजातंत्र की ऑक्सीजन : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के लिए मतदान किया। उन्होंने आम लोगों से भी अपने मताधिकार का प्रयोग करने का आह्वान किया।

मतदान करने के बाद उपराष्ट्रपति ने कहा कि विश्व में भारत एक मिसाल है। यह दुनिया का सबसे बड़ा, पुराना और जीवंत लोकतंत्र है। उन्होंने दिल्ली के लोगों से मताधिकार के प्रयोग का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नागरिक लोकतंत्र के महायज्ञ में भाग लें।

उप राष्ट्रपति ने कहा, ÷सोच-समझकर किया गया मतदान लोकतंत्र को मजबूत बनाता है। मतदान प्रजातंत्र का ऑक्सीजन है। प्रजातंत्र का आधार मतदान है, मतदान सब अधिकारों की जननी है। इससे सर्वोपरि कोई अधिकार नहीं हैं।

देशभर के विभिन्न एम्स में रिक्त पद प्राथमिकता के आधार पर भरे जाएं : जयराम रमेश

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव (संचार) एवं राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश ने देश के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों (एम्स) में बड़ी संख्या में रिक्त पदों को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। इसके साथ ही केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से मानकों के अनुसार इन रिक्तियों को प्राथमिकता के आधार पर भरे जाने की मांग की है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बुधवार को यहां एक वक्तव्य में कहा कि मंगलवार को राज्यसभा में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने एक सवाल के जवाब में देश में पूरी तरह कार्यरत सात एम्स संस्थानों से संबंधित जो आंकड़े प्रस्तुत किए, वह बेहद चिंताजनक हैं। इसके अनुसार एम्स दिल्ली में 34 फीसदी, एम्स भोपाल में 24 फीसदी, एम्स भुवनेश्वर में 25 फीसदी, एम्स जोधपुर में 28 फीसदी, एम्स रायपुर में 38 फीसदी, एम्स पटना में 27 फीसदी और एम्स ऋषिकेश में 39 फीसदी संकाय के पद खाली हैं। इसके अलावा 12 शहरों में एम्स जैसी संस्थाएं आंशिक रूप से संचालित हैं। इन संस्थानों में भी फैकल्टी की अत्यंत कमी है। मंगलगिरी में 41 फीसदी, नागपुर में 23 फीसदी, कल्याणी में 39 फीसदी, गोरखपुर में 37 फीसदी, बठिंडा में 33 फीसदी, बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) में 54 फीसदी, गुवाहाटी में 43फीसदी, देवघर में 34 फीसदी, बीबीनगर (तेलंगाना) में 36 फीसदी, रायबरेली में फीसदी त्न, राजकोट में 59.5 फीसदी और जम्मू में 44 फीसदी संकाय पद खाली हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि फैकल्टी की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठे हैं लेकिन इन पदों पर बड़ी संख्यां में रिक्तियां अपने आप में चौंकाने वाली हैं। सबसे अधिक आश्चर्यजनक स्थिति देश के सबसे प्रतिष्ठित एम्स दिल्ली की है, जिसे कई मायनों में इन संस्थानों की जननी माना जाता है। जयराम रमेश ने स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मांग की कि मानकों को कमजोर किए बिना इन रिक्त पदों को प्राथमिकता के आधार पर भरा जाना चाहिए।

मुर्मु और धनखड़ सहित कई नेताओं ने किया मतदान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों के लिए बुधवार सुबह सात बजे से मतदान जारी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, विदेश मंत्री एस जयशंकर, उपराज्यपाल वीके सक्सेना, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना सहित कई नेताओं एवं अधिकारियों ने विभिन्न मतदान केन्द्रों पर मतदान किया। पूर्वाह्न 11 बजे तक औसतन 19.95 प्रतिशत मतदान हो चुका है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने नई दिल्ली के डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय विद्यालय में वोट डाला। उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पहली बार मतदान किया है। श्री धनखड़, पत्नी सुदेश धनखड़ के साथ मतदान करने के लिए नॉर्थ एवेन्यू में सीपीडब्ल्यूडी सर्विस सेंटर में कतार में नजर आये और इस दौरान उन्होंने कतार में खड़े लोगों से बातचीत की।

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और उनकी पत्नी क्योको जयशंकर ने एनडीएमसी स्कूल ऑफ साइंस एंड ह्यूमैनिटीज, तुगलक क्रिसेंट में स्थापित मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने मतदान करने के बाद कहा, ÷मैंने दिल्ली के लोगों से बड़ी संख्या में वोट करने की अपील की है। मैं चाहता हूं कि दिल्ली के लोग वोटिंग में रिकॉर्ड बनाएं...।÷

लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी अपना वोट डालने के लिए निर्माण भवन स्थित मतदान केंद्र पर पहुंचे और उन्होंने मतदान किया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री एवं कालकाजी विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी उम्मीदवार आतिशी ने कालकाजी के एक मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला। सुश्री आतिशी ने कहा कि ये सिर्फ चुनाव नहीं, धर्म युद्ध है। ये सत्य और असत्य की लड़ाई है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, पत्नी सुनीता केजरीवाल और माता-पिता गोबिंद राम केजरीवाल और गीता देवी के साथ लेडी इरविन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में वोट डालने पहुंचे। नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से श्री केजरीवाल का मुकाबला कांग्रेस के संदीप दीक्षित और भारतीय जनता पार्टी के प्रवेश वर्मा से है। इसके अलावा कई बड़ी हस्तियों ने भी मतदान किया, जिनमें नौ सेना प्रमख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने दिल्ली की के. कामराज लेन में वोट डाला। उन्होंने पोलिंग बूथ में कमेंट भी लिखा। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने भी के. कामराज लेन स्थित मतदान केन्द्र पर अपना वोट डाला।

चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू मोती बाग विधानसभा के मतदान केंद्र पर मतदान करने पहुंचे। उन्होंने कहा, ÷सुबह से दिल्ली में वोटिंग साफ-सुथरे तरीके से चल रही है। किसी भी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। सभी मतदान केंद्रों पर अच्छी व्यवस्था है। वोट डालने आए लोगों को अच्छा अनभुव हो रहा है। मैं सभी लोगों से अपील करता हूं ।

भारत एआई, ओपनएआई के लिए महत्वपूर्ण बाजार है : सैम ऑल्टमैन

नई दिल्ली । ओपनएआई के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सैम ऑल्टमैन ने बुधवार को कहा कि भारत कृत्रिम मेधा (एआई) और ओपनएआई के लिए महत्वपूर्ण बाजार है। उन्होंने कहा कि भारत को अपने पूर्ण मॉडल के साथ एआई क्रांति के अगुआ देशों में शामिल होना चाहिए।

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ बातचीत के दौरान ऑल्टमैन ने कहा कि देश में पिछले साल ओपनएआई के उपयोगकर्ताओं की संख्या तीन गुना बढ़ी है। उन्होंने स्टैक, चिप्स, मॉडल और ''अविश्वसनीय अनुप्रयोगों'' के सभी स्तरों पर एआई के निर्माण में भारत के प्रयासों की जोरदार सराहना की। भारत की यात्रा पर आए ऑल्टमैन ने कहा, ''भारत सामान्य रूप से एआई के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है, विशेष रूप से 'ओपन' एआई के लिए यह हमारा दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। पिछले वर्ष यहां उपयोगकर्ताओं की संख्या तीन गुना हो गईज खासकर यह देखना कि भारत में लोग स्टैक, चिप्स, मॉडल के साथ एआई के सभी स्तरों पर क्या कर रहे हैं ज्सभी अविश्वसनीय अनुप्रयोगों के साथ क्या बना रहे हैंज।'' ऑल्टमैन ने भारत को एआई के क्षेत्र में पूरी क्षमता के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि भारत को एआई क्रांति के अगुआ देशों में से एक होना चाहिए। यह देखना वाकई आश्चर्यजनक है कि देश ने क्या किया हैज प्रौद्योगिकी को अपनाया है और इसके आधार पर कई सारी चीजें बना रहा है।'' भारत के एआई में विश्व की आवाज बनने और नेतृत्व

की स्थिति में आने के बारे में उनकी सलाह के बारे में पूछे जाने पर, ऑल्टमैन ने कहा, ''मुझे लगता है कि वह काम कर रहा है।' भारत के एआई प्रयासों पर ऑल्टमैन का आशावादी दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे पहले 2023 में उन्हें तब आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था जब उन्होंने अमेरिका के बाहर उभरने वाले शक्तिशाली एआई मॉडल के बारे में संदेह व्यक्त किया था। वैष्णव ने इस बातचीत के दौरान कहा कि नवाचार दुनिया में कहीं भी हो सकता है तो '' यह भारत में क्यों नहीं होना चाहिए।'' ऑल्टमैन की यात्रा दिलचस्प समय पर हो रही है, जब ओपनएआई (और वास्तव में पश्चिमी दुनिया) के कृत्रिम मेधा के क्षेत्र में प्रभुत्व को अचानक चीनी कंपनी डीपसीक द्वारा चुनौती मिल रही है। डीपसीक अपने कम लागत वाले एआई मॉडल आर1 के साथ सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहा है, जिसे 60 लाख अमेरिकी डॉलर से भी कम लागत में बनाया गया है और चैटजीपीटी जैसे लोकप्रिय मॉडलों की तुलना में इसकी 'कंप्यूटिंग पावर' बहुत कम है। डीपसीक, चैटजीपीटी को पीछे छोड़ते हुए एप्पल के ऐप स्टोर पर शीर्ष रैंक वाला मुफ्त ऐप भी बन गया है।

ओला इलेक्ट्रिक ने रोडस्टर एक्स श्रृंखला के साथ ई-मोटरसाइकिल बाजार में उतरी

नई दिल्ली, एजेंसी। ओला इलेक्ट्रिक रोडस्टर एक्स श्रृंखला के साथ इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल खंड में उतर गई है। कंपनी ने बुधवार को स्केलेबल मोटरसाइकिल मंच पर निर्मित रोडस्टर एक्स श्रृंखला के 2.5 केडबल्यूए, 3.5 केडबल्यूएच और 4.5 केडबल्यूएच संस्करण पेश किए। इनकी कीमत क्रमशः 74,999 रुपये, 84,999 रुपये और 94,999 रुपये है। ओला इलेक्ट्रिक के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक भविष अग्रवाल ने कहा, ''मोटरसाइकिल भारत के परिवहन परिदृश्य के केंद्र में है। अपनी इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल के साथ हम भारतीय परिवहन के मूल में ईवी क्रांति को और गहराई तक ले जा रहे हैं।'' कंपनी ने कहा कि रोडस्टर श्रृंखला तीन साल/50,000 किलोमीटर की मानक वारंटी के साथ आती है। रोडस्टर श्रृंखला के लिए डिलिवरी मार्च के मध्य से शुरू होगी।

सम्पादकीय

राहुल गांधी का ऐतिहासिक भाषण

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार 3 फरवरी को सदन में एक ऐतिहासिक भाषण दिया, जिसमें आधुनिक विश्व में भारत को आगे ले जाने का पूरा खाका उन्होंने खींच दिया। लगभग पौन घंटे के भाषण में राहुल गांधी ने एक साथ कई पहलुओं को छुआ। विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने की आवश्यकता, चीनी वस्तुओं पर निर्भरता कम करना, इलेक्ट्रिक मोटर, बैटरी, ऑप्टिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी भविष्य की तकनीकों को अपनाना, मेक इन इंडिया कार्यक्रम की कमियों को दूर करना और इसके साथ लोकतंत्र और संविधान को मजबूत करने के उपाय, सब कुछ राहुल गांधी के भाषण में समाहित था। संसद के पिछले कई सत्रों में राहुल गांधी को आक्रामकता के साथ भाषण देते देखा गया है, खास कर नेता प्रतिपक्ष बनने या उससे पहले पिछली सरकार में जब उनकी संसद सदस्यता फिर से बहाल हुई थी, तब अडानी, हिंदुत्व, संविधान और लोकतंत्र पर हो रहे हमले, जातिगत जनगणना ऐसे कई मुद्दों पर राहुल गांधी तीखे तेवर के साथ भाषण देते थे। उनके भाषण अक्सर हिंदी में होते थे, जिसमें सत्तापक्ष काफी टोका-टाकी और व्यवधान डालने की कोशिश करता था। लेकिन इस बजट सत्र में राहुल गांधी का एकदम अलग अंदाज नजर आया। उन्होंने न अपनी आवाज ऊंची की, न वे कहीं विचलित होते हुए दिखे। राहुल गांधी ने भाषण की शुरुआत में ही अपना चुटीला अंदाज भी दिखाया, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने जब उनका नाम लिया, लेकिन कैमरे में नेता प्रतिपक्ष नजर नहीं आए, तो उन्होंने थोड़ा रुककर इंतजार किया कि कैमरा उनकी तरफ घूमे और जब कैमरा उनकी तरफ आया तो उन्होंने ओम बिड़ला और कैमरा को मुस्कुराते हुए डबल थैंक्यू कहा, इस तरह राहुल गांधी ने दिखा दिया कि अब उन्हें उपेक्षित करने की मोदी सरकार की कोशिश कामयाब नहीं होगी। अपने पूरे संबोधन में राहुल गांधी ने अपनी बात कहने के लिए एक स्पष्ट रणनीति, एक सधी हुई भाषा-शैली और एक परिपक्व सोच का परिचय दिया। सरकार पर हमला या हल्ला बोलने की जगह इस बार उन्होंने सरकार की कमियां दिखाईं, और उन्हें दूर करने ठोस व रचनात्मक सुझाव भी दे दिए। नेता प्रतिपक्ष ने डेटा, उत्पादन और एआई समेत कई मुद्दों पर केंद्र सरकार से कहा कि आपको डेटा पर काम करना चाहिए। हमारे पास प्रोडक्शन (उत्पादन) और कंजप्शन (खपत) तक किसी का भी डेटा नहीं है। अगर हमारे पास डेटा होता तो हमारे विदेश मंत्री को प्रधानमंत्री के निमंत्रण के लिए तीन बार अमेरिका नहीं जाना पड़ता। उनके इस बयान पर संसदीय कार्यमंत्री ने फौरन ऐतराज जताया, विदेश मंत्री एस जयशंकर भी इस बात के लिए राहुल गांधी की निंदा कर रहे हैं। हालांकि राहुल गांधी से पहले निमंत्रण का मुद्दा सुब्रमण्यम स्वामी उठाते रहे हैं, लेकिन भाजपा ने उन्हें कभी कुछ नहीं कहा। जहां तक राहुल गांधी के बयान का सवाल है, तो यह उन्होंने इस संदर्भ में कहा कि अगर आज भारत तकनीकी तौर पर चीन जितना सक्षम होता तो अमेरिका के आगे कमजोर महसूस नहीं करना पड़ता। और आज की यह कड़वी हकीकत भी है, जिससे केंद्र सरकार मुंह चुरा रही है। यह तथ्य है कि डोनाल्ड ट्रंप ने शी जिनपिंग को खुद फोन कर न्यौता दिया था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी को नहीं बुलाया था। और जब श्री मोदी ने अपने दोस्त ट्रंप को बधाई दी और आपसी सहयोग की बात की, उसके बाद ट्रंप ने मंगलवार को अमेरिका में अवैध तरीके से रह रहे भारतीयों की पहली खेप सैन्य विमान में बिठाकर रवाना कर दी। यहां सीधे-सीधे भारत को अपमानित किया गया, लेकिन सरकार इस पर कुछ नहीं कह रही। बहरहाल, अपने संबोधन में राहुल गांधी ने देश में हुई अहम क्रांतियों का उल्लेख करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी की अपने पिता द्वारा शुरू की जा रही कंप्यूटर क्रांति का विरोध किए जाने का जिक्र भी किया, लेकिन साथ ही यह कहना नहीं भूले कि वह वाजपेयी का बेहद सम्मान करते हैं। यानी राहुल गांधी कहीं से भी सरकार से तकरार करने की मुद्रा में नहीं दिखे। जैसे महाराष्ट्र के नतीजों का जिक्र करते हुए जब उन्होंने चुनाव आयोग पर सवाल उठाए तो कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच 70 लाख नए वोटर जोड़े गए। महाराष्ट्र में जितने पांच साल में जुड़े, उससे ज्यादा आखिरी पांच महीने में जोड़े गए। शिर्डी की एक बिल्डिंग में सात हजार नए वोटर जुड़े। उन्होंने कहा कि मैं कोई आरोप नहीं लगा रहा हूं, सिर्फ ये कह रहा हूं कि कुछ ना कुछ दिक्कत है। इसके अलावा उन्होंने चुनाव आयुक्त के चयन की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। राहुल गांधी ने बेरोजगारी का मुद्दा भी उठाया और यह भी माना कि यूपीए सरकार में भी पर्याप्त काम नहीं हुआ था। यानी नेता प्रतिपक्ष ने केवल एनडीए की गलतियां नहीं गिनाईं अपने दोष भी माने। कुल मिलाकर राहुल गांधी एक दूरदृष्टा के तौर पर सामने आए, जिन्हें देश के बुनियादी मुद्दों की समझ है और समस्याओं के समाधान भी उनके पास हैं। राहुल गांधी के इस शानदार भाषण के बाद उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री मोदी भी इसी तरह का उच्च स्तरीय जवाब देंगे, लेकिन उनके भाषण ने फिर निराश किया, क्योंकि वे पूरे वक्त कांग्रेस और गांधी परिवार की आलोचना या अपनी वाहवाही में लगे रहे। राहुल गांधी के पिछले दिनों दिए गए भाषणों और बयानों पर ही प्रधानमंत्री जवाब देते रहे। फिर चाहे वह इंडियन स्टेट से लड़ाई की बात हो, राष्ट्रपति के भाषण को बोरिंग कहने वाली टिप्पणी हो या बजट पर राहुल गांधी की बैंडेड वाली प्रतिक्रिया हो। नरेन्द्र मोदी उसी में उलझे रहे। अपने भाषण में श्री मोदी ने गांधी परिवार पर भी निम्न स्तरीय हमला किया। उन्होंने कहा कि आज किसी एस टी परिवार के तीन सदस्य संसद में नहीं हैं, इस तरह प्रधानमंत्री ने गांधी परिवार से तीन सांसदों के होने पर भी निशाना साधा, जबकि इन तीन में से दो, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को तो सीधे जनता ने निर्वाचित किया है और सोनिया गांधी राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुई हैं। लेकिन श्री मोदी पर गांधी परिवार का खौफ इतना है कि वो अब जनता के फैसलों पर भी सवाल उठा रहे हैं। हालांकि उनसे उम्मीद इस बात की है कि वे विपक्ष द्वारा जनता के लिए उठाए गए सवालों पर जवाब दें।

अमेरिका से अवैध प्रवासियों की वापसी

-प्रमोद भार्गव-

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'अमेरिका प्रथम' अभियान पर अमल शुरू कर दिया है। ट्रंप ने चुनाव से पहले गैर कानूनी रूप से अमेरिका में रह रहे भारत समेत अन्य देशों के नागरिकों को वापस भेजने का सिलसिला तेज कर दिया है। इस क्रम में अमेरिकी शहर टेक्सास से 205 ऐसे भारतीयों को सैन्य विमान में लादकर अमृतसर में लाया गया है, जो गैर-कानूनी ढंग से अमेरिका में रह रहे थे। हालांकि भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर पहले ही कह चुके हैं कि अवैध अप्रवासियों का भारत स्वागत करेगा। इस पहली खेप में भेजे गए 205 प्रवासियों का भारत में रिहाईश का पूरा डाटा जांच करने के बाद लिया गया है। जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो से इस मुद्दे पर सहमति 23 जनवरी 2025 को ही बन गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ट्रंप से फोन पर हुई बातचीत मं भरोसा दिया था कि जो सही होगा उसे स्वीकार करेंगे। अमेरिका के इमिग्रेशन एंड कस्टम एनफोर्समेंट (आईसीई) की सूची के अनुसार ऐसे करीब 20, 427 भारतीयों की सूची हैं, जो अवैध प्रवासियों की श्रेणी में आते हैं। इनमें से 17, 940 भारतीयों के मूल निवासी होने के पतों का दस्तावेजी सत्यापन भी हो चुका है। इन्हें भी अमेरिका से निकालने की कार्यवाही चल रही हैं। हालांकि एक निजी एजेंसी के अनुसार अमेरिका में करीब 7.25 लाख भारतीय अवैध ढंग से रह रहे हैं। हालांकि अमेरिका से अवैध प्रवासियों को निकाले जाने की बात कोई नई नहीं है। अक्टूबर 2023 से सितंबर 2024 के दौरान 1100 लोगों को चार्टड विमान से भेज चुका है। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में भारत समेत अन्य देशों के चार लाख से भी अधिक अप्रवासी निकाले गए थे। अमेरिका अब तक चार छोटे देशों ग्वाटेमाला, होंडूरास, इक्वाडोर और पेरू के अवैध प्रवासियों को निकाल चुका है। भारत पांचवां देश हैं, जहां के अवैध प्रवासियों को निकाला गया है। अमेरिका ने मैक्सिको और कोलंबिया के भी अवैध प्रवासियों को सैन्य विमान में लादकर भेजा था। परंतु इन देषों की सरकारों ने विमान को अपने देशों की सीमा के भीतर उतरने की मंजूरी नहीं दी थी। बाद में इन्हें सीमा पर उतारने की सहमति बन गई थी। अमेरिका में वैध एवं अवैध तरीकों से बसने की इच्छा रखने वालों में भारत के बाद दूसरे पायदान पर चीनी नागरिक हैं। इसके बाद अल-साल्वाडोर, ग्वाटेमाला, होंडुरास, फिलीपींस, मैक्सिको और वियतनाम के प्रवासी हैं।

दरअसल अमेरिका अवसरों और उपलब्धियों से भरा देश माना जाता है। इसलिए लोग बेहतर और सुविधाजनक जीवन जीने की दृष्टि से अमेरिका में स्थाई तौर से बसने की लालसा रखते हैं। किंतु अब लगता है अमेरिका में विदेशी प्रवासियों के रास्ते बंद हो रहे हैं। क्योंकि अमेरिका ने जन्मजात नागरिकता पर भी रोक लगाने का सिलसिला शुरू कर दिया है। ट्रंप द्वारा जन्मजात नागरिकता खत्म करने के आदेश के पहले तक अमेरिका में किसी भी देष के प्रवासी दंपत्ति के जन्मे शिशु को जन्मजात नागरिकता स्वतः मिल जाती थी। यह प्रावधान तब भी था, जब उनकी माता अवैध रूप से देश में रह रही हो और पिता भी वैध स्थायी निवासी न हो। ट्रंप द्वारा जन्मजात नागरिकता पर प्रतिबंध के बाद सबसे अधिक परेशानी उन महिलाओं को हो रही है, जो अमेरिका में शरणार्थी या अवैध प्रवासी के रूप में रह रही हैं। वे सवाल उठा रही हैं कि उनकी कोख में पल रहे मासूम शिशु का क्या दोष है? ट्रंप के प्रतिबंधित आदेश के अनुसार वही जन्मजात बच्चे अमेरिकी नागरिकता के पात्र होंगे जिनके माता या पिता अमेरिकी नागरिक हैं। कुछ राज्यों में अदालत के आदेश के चलते जन्मजात नागरिकता पर प्रतिबंध जरूर लग गया है, लेकिन ट्रंप ने इस आदेश के विरुद्ध ऊपरी अदालत में अपील करेंगे। ट्रंप ने कड़ा रुख व्यक्त करते हुए कहा है, 'हम पीछे नहीं हटेंगे।' अमेरिकी न्याय विभाग दावा कर रहा है कि जन्मजात नागरिकता खत्म करना अमेरिकी हितों के अनुरूप है। इससे लगता है, देर-सबेर जन्मजात नागरिकता खत्म करने का कानून संपूर्ण अमेरिका में लागू हो जाएगा। वैसे भी अमेरिका में भारतीयों तथा अन्य वैध-अवैध प्रवासियों के विरुद्ध धुर दक्षिण पंथियों का आंदोलन 'अमेरिका प्रथम' एक अभियान के रूप में सक्रिय है। यही नहीं यह आंदोलन उग्र रूप में बदलकर 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' अर्थात 'अमेरिका को फिर से महान बनाएं' जाने की मानसिकता के चलते नस्लीय तनाव के रूप में भी देखने में आ रहा है। अवैध प्रवासियों के संदर्भ में अमेरिका को अपने गिरेवान में भी झांकने की जरूरत है। क्योंकि चिड़िया भी पंख नहीं मार सकती, का दावा करने वाला देष अवैध तरीके से आने वाले प्रवासियों पर लगाम लगाने में अब तक नाकाम रहा है। इसीलिए अमेरिका को मूलतः अप्रवासियों का देष माना जाता है। भारत के साथ अन्य देशों के लोग भी फर्जी दस्तावेजों और गैर-कानूनी तरीकों के आधार पर अमेरिकी सीमाओं के पार चले जाते हैं?

आखिर डंकी रूट के जरिए अमेरिका में ही क्यों सबसे ज्यादा लोग प्रवेश करने में सफलता पा लेते हैं? इसके पीछे मुख्य कारण अमेरिका में कुशल एवं अकुशल कामगारों की हमेशा जरूरत रहती है। इसलिए कंपनियां अवैध तरीकों के जरिए विदेषियों को लाकर उसी तरह बसाती हैं, जिस तरह भारत में बांग्लादेषी घुसपैठियों और रोहिंग्याओं को बसाने का प्रबंध किया जाता है। अमेरिका सरकार का दावा है कि बीते पांच साल में दो लाख से ज्यादा भारतीय चोरी-छिपे अमेरिका में घुसने के प्रयास में पकड़े गए हैं। इनमें से कुछ वापस हो गए तो कुछ हिरासत में रहकर रिहाई के प्रयास में हैं। जबकि डंकी रुट का पर्याय बनी घुसपैठ की कोषिषें अत्यंत जोखिमभरी होने के साथ जानलेवा भी हैं। अनेक भारतीय युवा नौकरी व कारोबार करने की ललक में अपनी पैतृक जमीन बेचकर डंकी रुट से अमेरिका जाने का जोखिम उठाकर बर्बाद हो रहे हैं। दरअसल अमेरिका में चालक (ड्राइवर) जैसी छोटी नौकरी में भी करीब साढ़े तीन लाख रुपए का वेतन प्रतिमाह मिलता है। इसीलिए हरियाणा और पंजाब के सैंकड़ों युवा डंकी रुट के मोहजाल में आकर स्वंय के साथ समूचे परिवार की आर्थिक बद्हाली की कहानी लिख चुके हैं। अतएव युवाओं को ही नहीं उन अभिभावकों को अमेरिकी दीवानगी से बचने की जरूरत है, जो अपनी संतान का उज्जवल भविश्य अमेरिकी चकाचैंध में देख रहे हैं।

प्रवासियों का देश अमेरिका

अमेरिका की कुल जनसंख्या करीब 33 करोड़ है। इस आबादी की तुलना में उसका भू-क्षेत्र बहुत बड़ा, यानी 98, 33, 520 वर्ग किमी है। इतने बड़े भू-लोक के मालिक अमेरिका के साथ विडंबना है कि 15वीं षताब्दी तक अमेरिका की कोई स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में पहचान नहीं थी। दुनिया केवल एशिया, यूरोप और अफ्रीका महाद्वीपों से ही परिचित थी। 1492 में नई दुनिया की खोज में निकले क्रिस्टोफर कोलंबस ने अमेरिका की खोज की। हालांकि कोलंबस अमेरिका की बजाय भारत की खोज में निकला था। लेकिन रास्ता भटक कर वह अमेरिका पहुंच गया। वहां के लोगों को उसने 'रेड इंडियन' कहकर पुकारा। क्योंकि ये तांबई रंग के थे और प्राचीन भारतीयों से इनकी नस्ल मेल खाती थी। हालांकि इस क्षेत्र में आने के बाद कोलंबस जान गया था कि वह भारत की बजाय कहीं और पहुंच गया है। बावजूद उसका इस दुर्लभ क्षेत्र में आगमन इतिहास व भूगोल के लिए एक क्रांतिकारी पहल थी। कालांतर में यहां अनेक औपनिवेशिक शक्तियों ने अतिक्रमण किया। 17वीं शताब्दी में ऑस्ट्रेलिया और अन्य प्रषांत महासागरीय द्वीप समूहों की खोज कप्तान जेम्स कुक ने की। जेम्स ने यहां अनेक प्रवासियों की बस्तियों को आबाद किया। इसी क्रम में 1607 में अंग्रेजों ने वर्जीनिया में अपनी बस्तियाँ बसाईं। इसके बाद फ्रांस, स्पेन और नीदरलैंड ने उपनिवेश बनाए। 1733 तक यहां 13 बस्तियां अस्तित्व में आ गईं। इन सब पर ब्रिटेन का प्रभुत्व कायम हो गया। 1775 में ब्रिटेन के विरुद्ध युद्ध छिड़ गया। 4 जुलाई 1776 में जॉर्ज वाषिंगटन के नेतृत्व में अमेरिकी जनता ने विजय प्राप्त कर ली और संयुक्त राज्य अमेरिका का गठन कर स्वतंत्र और षक्तिषाली राश्ट्र के रूप में वह अस्तित्व में आ गया। इसीलिए कहा जाता है कि अमेरिका के इतिहास व अस्तिव में दुनिया के प्रवासियों का बड़ा योगदान रहा है। साथ ही यहां एक बड़ा प्रष्न खड़ा हुआ कि अमेरिका महाद्वीप के जो रेड इंडियन नस्ल के मूल निवासी थे, वे हाषिये पर चले गए। गोया, मूल अमेरिकी तो वंचित रह गए, अलबत्ता विदेषी-प्रवासी प्रतिभावान किंतु चालाक अमेरिका के मालिक बन बैठे। इस विरोधाभास का मूल्यांकन करके ही ट्रंप चिंतित हैं कि आईटी टेक्नोक्रेट के बहाने जो आईटी प्रोफेशनल्स अमेरिकी संस्थाओं व कंपनियों पर प्रभावी होते जा रहे हैं, वे मूल-अमेरिकियों के लिए अमेरिकी संस्थाओं में बेदखली और बेरोजगारी का कारण भी बन रहे हैं। इसी लिहाज में ट्रंप अमेरिका-फर्स्ट की नीति को महत्व दे रहे हैं। इस दृष्टिकोण से यदि वर्तमान संयुक्त राज्य अमेरिका का नृजातीय रूप में मूल्यांकन करें तो पता चलता है कि यहां मूल अमेरिकियों, मसलन रेड इंडियनों की आबादी महज 2.7 प्रतिशत ही रह गई है, शेष 97.7 फीसदी भूमि पर यूरोप, अफ्रीका और एशिया से आ बसे लोगों का कब्जा है। इसमें रेड इंडियन के साथ नवाजो और चरूकी जनजातीय लोगों की संख्या सबसे ज्यादा है। इनमें अधिकांश लोग अब अपनी संस्कृति से कट गए हैं। ज्यादातर ने आधुनिक अमेरिकी संस्कृति को अपना लिया है। लेकिन नस्लीय भेदभाव के चलते अमेरीकी समाज इन्हें दोयम दृश्टि से देखता है। इस कारण ये आधुनिक सुविधाओं से लगभग वंचित व उपेक्षित हैं। अभावग्रस्त यही लोग बेरोजगारी का दंश झेल रहे हैं। गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करने वालों के लिए अमेरिका में अलग मंत्रालय खोलकर इनके कल्याण के लिए पहल की जा रही है। अमेरिका में कुल आबादी में से 13.66 फीसदी लोग गरीबी-रेखा के नीचे रहने को विवश हैं। इन्हीं लोगों में सर्वाधिक बेरोजगारी है। राष्ट्रपति ट्रंप शायद ऐसे ही लोगों की बेरोजगारी दूर करने के लिए जन्मजात नागरिकता और वीजा संबंधी नियमों को कठोर बना रहे हैं, जिससे गैर-अमेरिकियों के लिए रोजगार के रास्ते बंद हो जाएं और स्थानीय लोगों के लिए खुल जाएं। लेकिन आज अमेरिका जिस विकास और समृद्धि को प्राप्त कर पूंजीपति व शक्ति-संपन्न राष्ट्र बना दुनिया पर अपना प्रभुत्व जमाए बैठा है, उसकी पृष्ठभूमि में दुनिया के प्रवासियों का ही प्रमुख योगदान है। लिहाजा ट्रंप के प्रवासी भारतीयों समेत अन्य प्रवासियों को अमेरिका में ही बसाए रखने के नीति और उपाय बदस्तूर रखने चाहिए।

राहुल गांधी की देश-विरोधी बचकानी राजनीति

-ललित गर्ग-

एक बार फिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को नीचा दिखाने के इरादे से ऐसा बयान दिया है जो भारत की साख को आघात लगाने वाला है बल्कि देश की एकता एवं अखण्डता को ध्वस्त करने वाला है। राहुल गांधी किस तरह गैर जिम्मेदाराना बयान देने में माहिर हो गए हैं, यह इस कथन से फिर सिद्ध हुआ कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर इसलिए बार-बार अमेरिका जा रहे थे, ताकि भारतीय प्रधानमंत्री को डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में बुलाया जाए। राहुल गांधी मोदी-विरोध में कुछ भी बोले, यह राजनीति का हिस्सा हो सकता है, लेकिन वे मोदी विरोध के चलते देश-विरोध में जिस तरह के अनाप-शनाप दावे करते हुए गलत बयान देते हैं, वह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता एवं बचकानेपन को ही दर्शाता है। आखिर कब राहुल एक जिम्मेदार एवं विवेकवान प्रतिपक्ष के नेता बनेंगे? अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से राजनीति से हटकर भी गहरे व्यक्तिगत आत्मीय मित्रवत संबंध है, इसलिये उनका शपथ ग्रहण समारोह में बुलाने पर किसी तरह का संदेह नहीं हो सकता। लेकिन इस बात को लेकर राहुल के बयान पर हैरानी होना स्वाभाविक है। यही कारण है कि लोकसभा में संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू ने राहुल गांधी की इस विचित्र बात पर आपत्ति जताई, बल्कि विदेश मंत्री जयशंकर ने भी नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि वह ऐसी बात कहकर भारत की छवि खराब करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राहुल गांधी के झूठ का उद्देश्य राजनीतिक हो सकता है, लेकिन ऐसे झूठे, भ्रामक एवं गुमराह करने वाले बयान से भारत की छवि को गहरा नुकसान हुआ है। यह तय है कि विदेशी मंत्री के प्रतिवाद का राहुल गांधी की सेहत पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है। ऐसी मिथ्या बातें करके वे प्रधानमंत्री पर हमला करने का कोई अवसर नहीं चुकते। वह प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी को कोई महत्व नहीं देते। आखिर यह किसी से छिपा नहीं कि वह उनके खिलाफ तू-तड़ाक वाली अशालीन एवं अमर्यादित भाषा का उपयोग करते रहे हैं। विडंबना यह है कि इस आदत का परित्याग वह नेता प्रतिपक्ष का पद हासिल करने के बाद भी नहीं कर पा रहे हैं। समस्या केवल यह नहीं कि वह प्रधानमंत्री पद की गरिमा की परवाह नहीं करते। समस्या यह भी है कि वह प्रायः ऐसी बचकानी बातें कर जाते हैं, जो राष्ट्रीय हितों के प्रतिकूल होती हैं या दूसरे देशों से संबंधों पर बुरा असर डालती हैं। राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष हैं और उन्होंने अन्य सांसदों की ही तरह देश की अखंडता और एकता की रक्षा करने की शपथ ली थी, लेकिन उनके द्वारा समय-समय पर दिये गये वक्तव्य एवं टिप्पणियां पूरी तरह से राष्ट्र विरोधी है।

दिल्ली के जनादेश की गूंज बहुत दूर तक सुनाई देगी दांव पर केजरीवाल और राहुल गांधी की प्रतिष्ठा

-संतोष पाठक-

देश की राजधानी दिल्ली में विधानसभा की सभी 70 सीटों पर 5 फरवरी को वोट डाले जाएंगे। बुधवार, 5 फरवरी को दिल्ली के डेढ़ करोड़ से ज्यादा मतदाता, अपने-अपने वोट के जरिए दिल्ली की अगली सरकार को चुनेंगे। यह फैसला करेंगे कि वह दिल्ली का अगला मुख्यमंत्री किस राजनीतिक दल से बनाने जा रहा है। दिल्ली के मतदाताओं ने किसे जनादेश दिया है, यह खुलासा तो 8 फरवरी को मतगणना के बाद ही हो पाएगा। लेकिन एक बात बिल्कुल साफ है कि देश की राजधानी दिल्ली से निकले जनादेश की गूंज बहुत दूर तक सुनाई देगी। कहने को तो, यह भी कहा जा सकता है कि दिल्ली एक पूर्ण राज्य भी नहीं है और केवल 70 विधायकों वाली विधानसभा का असर राष्ट्रीय राजनीति पर भला कैसे पड़ सकता है लेकिन यह तर्क अपने आप में पूरी तरह से गलत और बेमानी है। दिल्ली में वैसे तो मुख्य मुकाबला आम आदमी पार्टी बनाम भारतीय जनता पार्टी का ही माना जा रहा है। लेकिन अपने राजनीतिक अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही कांग्रेस ने कई विधानसभा सीटों पर चुनावी लड़ाई को त्रिकोणीय बना दिया है। इंडिया गठबंधन के बिखरने की आशंका से डरे हुए कांग्रेस आलाकमान ने चुनाव प्रचार अभियान के शुरुआती दौर में थोड़ी हिचक जरूर दिखाई। लेकिन बाद में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे से लेकर कांग्रेस के तमाम बड़े नेताओं ने जिस अंदाज में चुनावी रैलियां की, रोड शो किए, उसने दिल्ली की चुनावी लड़ाई को काफी दिलचस्प बना दिया है। दिल्ली में एक तरफ आम आदमी पार्टी है, जो वर्ष 2013, 2015 और 2020 के बाद अब वर्ष 2025 में लगातार चौथी बार दिल्ली में सरकार बनाने के लिए चुनाव लड़ रही है। यह चुनाव आम आदमी पार्टी से ज्यादा उनके नेता अरविंद केजरीवाल के लिए महत्वपूर्ण हो गया है। क्योंकि दिल्ली की हार अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व पर प्रश्नचिन्ह खड़े कर देगा और पार्टी के अंदर भी कई तरह के सवाल उठने लगेंगे। वहीं, दूसरी तरफ भाजपा है जो देश की राजधानी दिल्ली में 27 साल के अपने वनवास को खत्म करना चाहती है। इससे पहले भाजपा दिल्ली में 1993 में सत्ता में आई थी। वर्ष 1993 में चुनाव जीतकर भाजपा ने मदन लाल खुराना को अपना मुख्यमंत्री बनाया था। जैन हवाला डायरी में नाम आने के कारण, खुराना को इस्तीफा देना पड़ा और साहिब सिंह वर्मा दिल्ली के मुख्यमंत्री बने। लेकिन चुनाव से कुछ महीने पहले भाजपा आलाकमान ने उन्हें हटाकर सुषमा स्वराज को दिल्ली का मुख्यमंत्री बना दिया। हालांकि वह भी दिल्ली में भाजपा को जीत नहीं दिला पाई और 1998 में कांग्रेस से हार कर पार्टी को सत्ता गंवानी पड़ गई। दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भाजपा को पहले कांग्रेस ने लगातार तीन बार हराया और उसके बाद आप भी लगातार 3 चुनाव हरा चुकी है। दिल्ली की चुनावी रेस में तीसरे नंबर की पार्टी माने जाने वाली कांग्रेस इस बार सरकार बनाने से ज्यादा किंग मेकर के रूप में उभरना चाहती है। पिछले दो विधानसभा चुनावों में एक भी सीट नहीं जीत पाने वाली कांग्रेस के लिए दिल्ली का यह चुनाव राजनीतिक अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण चुनाव माना जा रहा है। अगर केजरीवाल लगातार चौथी बार विधानसभा का चुनाव जीत जाते हैं तो फिर वे राष्ट्रीय नेता के तौर पर देश की राजनीति में स्थापित हो जाएंगे। उनकी मजबूती राष्ट्रीय स्तर पर सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन के साथ ही विपक्षी इंडिया गठबंधन के लिए भी खतरे की घंटी होगी। वहीं अगर कांग्रेस इस चुनाव में किंग मेकर के रूप में उभर कर दिल्ली की सत्ता से आम आदमी पार्टी को बाहर कर देती है तो राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस मजबूत होकर उभरेगी।

विशेष

कुंभ भगदड़ पर शर्मनाक राजनीति

-राजेश कुमार पासी-

12 साल में आयोजित होने वाले कुंभ का भारतीय धर्म और संस्कृति में बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। इस बार का कुंभ तो 12 कुंभों के बाद होने वाला महाकुंभ है, इसलिए इसका विशेष महत्व है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने इसी को देखते हुए इस आयोजन की जबरदस्त तैयारी की थी। लगभग 25 दिनों से कुंभ चल रहा है और यहां आने वाले श्रद्धालु इस आयोजन की जबरदस्त तारीफ कर रहे हैं। सरकार द्वारा किये गये इंतजामों से बेहद खुश दिखाई दे रहे हैं। मौनी अमावस्या के दिन सबसे बड़ा अमृत स्नान था जिसमें लगभग 12 करोड़ लोगों ने स्नान किया। इस दिन एक भगदड़ में दर्जनों लोगों के घायल होने के अलावा 30 लोगों की जान चली गई। एक छोटे शहर के कुछ हिस्से में 10 करोड़ लोग इकट्ठे थे, इसलिए अगर वहां भगदड़ मच गई तो ये स्वाभाविक सी घटना है लेकिन यह नहीं होना चाहिए था। इस भगदड़ के कारण सरकार के इंतजामों पर सवाल खड़ा हो गया है। यह सवाल इसलिए खड़ा हो गया है क्योंकि सरकार को पता था कि इस दिन इतने लोग वहां आ सकते हैं। सरकार को पता था इसलिए सरकार ने इंतजाम भी किये थे। भगदड़ होने का मतलब है कि सरकार के इंतजामों में कहीं कोई कमी थी। विपक्ष को यह अधिकार है कि वो इस सम्बन्ध में सरकार से सवाल करें और लोकतंत्र में ऐसा होता भी है। विपक्षी दल इस घटना को लेकर केन्द्र और राज्य सरकार को घेर रहे हैं। संसद में भी यह मामला उठाया गया है। लोकतंत्र में यह एक सामान्य बात है कि ऐसी घटनाओं पर विपक्ष सरकार से सवाल-जवाब करे लेकिन विपक्ष इस मामले में जैसी राजनीति कर रहा है, वो बहुत ही शर्मनाक है। 29 जनवरी को इस मामले पर विपक्ष ने संसद में जबरदस्त हंगामा किया और सरकार पर आंकड़ों को छिपाने का आरोप लगाया। देखा जाये तो यह आरोप भी ज्यादातर विपक्ष ऐसी दुर्घटनाओं को लेकर सरकार पर लगाया करता है लेकिन जैसा आरोप लगाया गया है, वो बेहद आपत्तिजनक है। राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संसद में कहा कि 29 जनवरी को महाकुंभ में हुई भगदड़ में मारे गये हजारों लोगों को मेरी श्रद्धांजलि है। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनकड़ ने उन्हें बयान वापिस लेने को कहा तो उन्होंने कहा कि यह मेरा अनुमान है। अगर आंकड़े सही नहीं है तो सरकार को बताना चाहिए। इसके अलावा लोकसभा में भी विपक्ष ने जबरदस्त हंगामा किया और सरकार को कहा कि वो कुंभ में हुई मौतों का आंकड़ा जारी करे। समाजवादी पार्टी के नेता राम गोपाल यादव ने कहा है कि प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि भगदड़ में हजारों लोग मारे गये हैं। उनका कहना है कि लोगों को दफना दिया गया है, जो लोगों को बाद में मिलेंगे। उन्होंने कहा है कि हिन्दुओं को दबा दिया गया है। समाजवादी पार्टी की नेता और सांसद जया बच्चन ने कहा है कि इस मेले में गंगा का पानी सबसे दूषित है क्योंकि भगदड़ में मारे गये लोगों के शव नदी में फेंक दिये गये हैं। उन्होंने कहा कि कुंभ में करोड़ों लोग आ ही नहीं सकते, सरकार झूठ बोल रही है। उनका कहना है कि इतने लोग एक जगह कैसे इकठ्ठा हो सकते हैं। यही बात समाजवादी पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव ने कही थी कि सभी रेलगाड़िया खाली आ रही है, सरकार झूठ बोल रही है कि कुंभ में इतने लोग आ रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने मुख्यमंत्री योगी पर तंज कसा है कि जो सच छुपाये वो योगी नहीं हो सकता। आरजेडी नेता मनोज झा ने कहा है कि कुंभ में ट्रक भरकर मोबाइल मिले हैं, इनके मालिक कहां है। इसके अलावा कई नेता ऐसी ही बातें कर रहे हैं और सरकार को सच बताने को कह रहे हैं। सोशल मीडिया में विपक्षी समर्थक अपने नेताओं की बातों को आगे बढ़ा रहे हैं। यह अफवाह फैलाई जा रही है कि कुंभ में हजारों लोग मर गये हैं। दूसरी तरफ सरकार ने घटना की जांच के लिए न्यायिक आयोग का गठन कर दिया है, जो मामले की जांच करके बता देगा कि सरकार की कहां कमी रही और इसके लिए कौन जिम्मेदार है। इसके अलावा योगी सरकार ने मामले की जांच के लिए एसटीएफ का भी गठन किया है क्योंकि सरकार को घटना में साजिश की बू आ रही है। कहा जा रहा है कि घटनास्थल पर घटना के समय 16000 सक्रिय मोबाइल फोन बंद हो गये है। घटनास्थल पर मौजूद इतने मोबाइल फोनों का अचानक बंद हो जाना सरकार को एक साजिश लगता है। इसके अलावा प्रत्यक्षदर्शियों ने बयान दिया है कि घटना से पहले वहां बसों में भरकर युवा आये थे और वो हुड़दंग कर रहे थे। कहा जा रहा है कि घटना इन लोगों के हुड़दंग के कारण ही हुई। मामले को सरकार ने गंभीरता से लिया है क्योंकि यह राज्य सरकार की प्रतिष्ठा का सवाल है। योगी सरकार कई महीनों से इस आयोजन की तैयारी कर रही थी और दुर्घटना से पहले आयोजन सफलतापूर्वक चल रहा था और घटना के बाद भी चल रहा है। मेरा मानना है कि जल्दी ही सरकार देश के सामने सच्चाई पेश कर देगी। आज हर हाथ में मोबाइल है और इसके अलावा घटनास्थल पर मौजूद सीसीटीवी भी अपराधियों को सामने लाने की सरकार की मदद करेंगे। आप सोचिए कि जब हर हाथ में मोबाइल है तो किसी भी सरकार के लिए लोगों की मौत छुपाना कैसे संभव हो सकता है। पूरी दुनिया में इतना बड़ा आयोजन नहीं होता है, इसलिये पुलिस और प्रशासन इस आयोजन को करने के लिए प्रशंसा के पात्र हैं। इसके बावजूद भगदड़ में हुई मौतों के लिए जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिये लेकिन महीनों से दिन-रात काम कर रहे पुलिस और प्रशासन के लोगों की मेहनत पर पानी फेरना ठीक नहीं है। खड़गे और अन्य विपक्षी नेता कह रहे हैं कि हज़ारों लोगों की मौत हो गई है तो सवाल उठता है कि उनकी लाशें कहाँ गयीं। वैसे देखा जाए तो इसका भी जवाब उन्होंने खुद दे दिया है। राजद नेता मनोज झा कह रहे हैं कि उनको दफना दिया गया है और जया बच्चन कह रही हैं कि लाशों को सीधा गंगा नदी में बहा दिया गया इसलिये गंगा प्रदूषित हो गई है। ऐसा लगता है कि विपक्ष ने लाशों को ठिकाने लगाने के बारे में बयान देने से पहले आपस में बात नहीं की है। सरकार को घेरने का अच्छा तरीका तो यह था कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं की फौज गंगा नदी में उतरकर लाशों को बाहर निकाल देती और देश के सामने पूरी सच्चाई आ जाती। दूसरी तरफ राजद के कार्यकर्ता गंगा नदी किनारे दबाए गए लोगों को निकाल कर जनता के सामने ला सकते थे। खड़गे पहले कह रहे हैं कि हज़ारो लोग मारे गए हैं, उनकी पार्टी भी इसमें मदद कर सकती थी। विपक्षी नेताओं की बुद्धि कहाँ चली गई है जो ऐसे अनर्गल आरोप लगा रहे हैं। अगर उन्हें अपनी बात सिद्ध करनी है तो हज़ारो नहीं तो कुछ लोगों के शव तो ढूंढ ही सकते थे। मनोज झा कहते हैं कि ट्रक भरकर मोबाइल मिले हैं तो उन्हें पता होना चाहिए कि ट्रक में तो लाखों मोबाइल आ सकते हैं। अगर इतने मोबाइल वालों की मौत हो चुकी है तो उनके परिजन कहाँ हैं और वो उनको क्यों नहीं ढूंढ रहे हैं। विपक्ष कुम्भ पर शर्मनाक राजनीति कर रहा है और एक दुर्घटना के नाम पर पूरे कुंभ को बदनाम कर रहा है। इससे पहले भी कुंभ में भगदड़ होती रही है लेकिन ऐसी ओछी राजनीति नहीं की गई। हो सकता है कि कुम्भ में हुई मौतों में कुछ और लोग शामिल हों लेकिन जब तक इसकी पुष्टि नहीं हो जाती तब तक विपक्ष को सरकारी आंकड़ों पर भरोसा करना चाहिए। कुंभ जैसे धार्मिक आयोजन को बदनाम करने की कोशिश विपक्ष की हिन्दू विरोधी मानसिकता को दर्शाती है। सऊदी अरब में हज यात्रा के दौरान गर्मी से 1500 हजयात्रियों की मौत हो गई थी लेकिन किसी ने हजयात्रा पर सवाल नहीं खड़े किए। एक दुर्घटना के कारण विपक्ष कुम्भ को बदनाम कर रहा है जबकि एक भगदड़ के अलावा पूरा कुंभ बहुत ही शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा है। देश की जनता देख रही है कि विपक्ष को लोगों के मरने से नहीं बल्कि कुंभ के सफलतापूर्वक चलने से परेशानी हो रही है। ऐसा महसूस हो रहा है कि विपक्ष को करोड़ों लोगों का आस्था और श्रद्धा से परिपूर्ण होकर गंगा में डुबकी लगाना बहुत चुभ रहा है. यही कारण है कि विपक्ष इस मामले पर शर्मनाक राजनीति कर रहा है।

श्रद्धालूओं के मौत पर राजनीती करना अनुचित

-संजय गोस्वामी-

महाकुम्भ 25 में हुई भगदड़ में असमय मौत पर पंडित धीरेन्द्र शास्त्री का व्यान दुर्भाग्यपूर्ण है कि मरने वाले मोक्ष को प्राप्त कर लिए हैं ऐ भूमि भारत माँ की है जिसके मासूम बच्चों की मौत हुई उधर संतो एक पक्ष ऐसा भी है जो उनके इस बयान पर गुस्से में हैं यहाँ आपको असली राम भक्त नहीं मिलेंगे वो तो हिमालय पर्वत पर राम नाम जप कर सिद्धि प्राप्त कर रहें होंगे और कुंडली को जागृत कर बाहर से भोजन कर प्रभु प्रेम में आनंदित हो रहें होंगे ताकि मोक्ष मिल जाये लेकिन उन्हें भी मिलेगा या नहीं मैं बता नहीं सकता दरअसल मोक्ष इस मायाबी दुनिया से परे है और अपने को जानना चाहता है कि मैं कौन हूँ और ईश्वर ने क्यों भेजा है मैं इस तरह प्रभु के चरणों में दास बन जाऊं कि बार बार जन्म और मौत के बंधन से मुक्त हो जाऊं जो खुद को नहीं जान सकता वह मौत को कैसे जान सकता है इसलिए पहले वे संत अपने तप से शरीर से आत्मा को निकाल कर अंतरिक्ष में विचरण करते हैं और पुनः अपने शरीर में प्रवेश करते हैं इसके बाद जब शरीर से रिश्ता नाता ख़त्म कर जनकल्याण हेतु सूक्ष्म रूप से विचरण करते हैं और सच्चे इंसान को राह दिखाते हैं तब उन्हें मोक्ष मिलता है क़ोई इतना भी शक्तिशाली होता है कि संसार के मायाजाल से निकलकर क़ोई तारा का रूप धारण कर लेता है ध्रुव तारा जिसे पूर्ण रूप से मोक्ष मिल गया क्योंकि आज तक क़ोई उस तक पहुँच नहीं पाया है और हजारों साल बाद भी किसी भी अतंरिक्षयान से जो प्रकाश की गति से भी चले लेकिन पहुंचना मुश्किल है तो मोक्ष मिल गया क्योंकि रात में वही आपको टीमटीमाते नजर आते हैं जिससे आपको सकून मिलता है इस क्रम में कई बार साधक तप व योग के प्रभाव से शरीर से आत्मा तो निकाल पाने में सक्षम हुए लेकिन बापस नहीं आ पाएं और गहरी निद्रा में सो गए और भक्तो ने इस आस में कि समाधि लग गई है कभी भी लौट सकते हैं उसे डीप फ्रीज़र में रख दिया जिसे कानूनी रूप से मान्यता भी मिली है वैज्ञानिक भी इस शोध में लगे हैं कि कभी ऐसी क़ोई दवा आ जाए ताकि मरे हुए शरीर को जिंदगी दे सके और अमेरिका में 500 से भी अधिक बॉडी क्रायोजेनिक में रखी गई है क्रायोजेनिक में कुछ गैसों को क्रायोजेनिक परिस्थितियों में संग्रहित किया जाता है, अर्थात उन्हें बहुत कम तापमान (-130 डिग्री फारेनहाइट या उससे कम) पर संग्रहित किया जाता है। इस तरह से संग्रहित गैसों के उदाहरणों में वायु, आर्गन, कार्बन मोनोऑक्साइड, एथिलीन, फ्लोरीन, हीलियम, हाइड्रोजन, मीथेन, नाइट्रोजन और ऑक्सीजन शामिल हैं। मौत का सही आकड़ा पर भी सच के लिए लगातार बयानवाजी हो रहें हैं अतः इसपर राजनीती करना ठीक नहीं है जो दुनिया से चले गए वो तो जिन्दा आ नहीं सकते कम से कम इंसानियत के नाते उनके दुःखो पर बयानवाजी बन्द कर दें कितनी संख्या में लोग कुचल कर मारे गए हैं ऐ ईश्वर ही जानता होगा और वही सही न्याय करेगा यदि सही आकड़ा मिल भी गया और तीस की जगह 300से ज्यादा का आकड़ा मिल गया जो मिडिया में खुब चल रहा है तो आप क्या कर सकते हैं सत्य एक दिन जरूर उजागर होगा और आप नहीं जनता ही चुनाव में बतायेगी अतः उनके परिवार को मदद करें और ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना करें जो असली संत है वो तो परमात्मा भगवान श्री राम के प्रेम में इस तरह से मग्न है कि उसे पता नहीं कब क्या हो रहा है नहीं विश्वास है तो हिमालय की चोटी में जाकर देखें कई ने तो स्थूल शरीर को ध्यान से इसतरह कर लिया है कि हवा में तैर रहा है और कई को शिक्कर से बंधा गया है जो गए वो भोले वाले इंसान थे जिसमें ईश्वर के प्रति आराधना थी वो गलत लोगों के बहकावे में और अमानवीय लोगों के निचे कुचलने से दबकर मर गए उनकी आत्मा भटकती होगी क्योंकि उन्हें बहला फुसला कर लाया गया और लापरवाही से मौत हो गई आत्मा कभी मरती नहीं है या तो भटकती है अपने परिवार की चिंता के लिए या फिर अपने किए पर पछताने के लिए यदि आपको विश्वास नहीं है तो पटना हवाई अड्डा में जब जुलाई 2000 में पटना एयरपोर्ट के पास हवाई दुर्घटना में 60 लोगों की मौत हो गई थी- एलायंस एयर की फ्लाइट 7412 में 52 यात्री और 6 क्रू मेंबर सवार थे। कुल 6 यात्री लखनऊ के लिए उड़ान भर चुके थे, जबकि अन्य 46 पटना जा रहे थे। उसके बाद रात में कुछ अनहोनी वारदात हुई कि रात में प्रेतआत्मा मायाबी शरीर धारण कर रिक्शा या ऑटो में अपने घर जाने के लिए बैठ जाता और फिर जब घर आता तो उससे पहले ही गायब हो जाता बाद में खुब हवन कीर्तन और राम का भजन कीर्तन हुआ तो बन्द हो गया क्योंकि राम नाम से मुक्ति मिली होगी हमेशा हमें उस शक्ति देने वाला उस परमात्मा भगवान श्री राम या गुरु के आदर्शो पर चलना चाहिए आप सोचते होंगे की किसी के कारण मुझे परेशान हो रही है लेकिन मेरे हाथ में कुछ नहीं है अगर मेरे हाथ मे कुछ होता तो मैं किसी को बचा लेता जो नहीं होता है और वही परमात्मा सबका मालिक है। दुःख और सुख जीवन के अविभाज्य अंग हैं, और हमें निराशा, अपमान एवं दुःख को जीवन का अपरिहार्य अंग मानकर स्वीकार करना पड़ेगा, अन्यथा हम आगे नहीं बढ़ सकते हैं और शोकसन्तप्त होकर विनष्ट हो जायेंगे।

स्कोडा फॉक्सवैगन की याचिका पर 17 फरवरी को सुनवाई करेगा बंबई उच्च न्यायालय

मुंबई बंबई उच्च न्यायालय भारतीय सीमाशुल्क अधिकारियों की 1.4 अरब डॉलर की कर मांग के खिलाफ स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया की याचिका पर 17 फरवरी को सुनवाई करेगा।

भारत में फॉक्सवैगन समूह का नेतृत्व स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया के पास है। अधिकारियों ने इस कंपनी पर लगभग 11,000 करोड़ रुपये (लगभग 1.4 अरब डॉलर) की कथित सीमा शुल्क धोखाधड़ी में कारण बताओ नोटिस जारी किया है। मोटर वाहन कंपनी ने उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर सीमा शुल्क अधिनियम के तहत सितंबर 2024 में अधिकारियों द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस को पिछले महीने चुनौती दी थी। कंपनी के वकीलों ने बुधवार को न्यायमूर्ति बी. पी. कोलाबावाला और न्यायमूर्ति फिरदौस पूनीवाला की खंडपीठ के समक्ष याचिका का उल्लेख किया और तत्काल सुनवाई की मांग की। उच्च न्यायालय ने याचिका पर 17 फरवरी को सुनवाई करने पर सहमति जताई है।

सीमा शुल्क धोखाधड़ी उन कारों पर लागू होती है, जिन्हें सीकेडी इकाई के तौर पर देश में लाया जाता है। सीकेडी इकाई का मतलब है कि किसी भी कार को अलग-अलग कलपुर्जों के तौर पर आयात किया जाए और फिर देश के भीतर 'असेंबलिंग' कर एक कार तैयार कर दी जाए। फॉक्सवैगन समूह ने भारत में ऑडी, फॉक्सवैगन और स्कोडा जैसे विभिन्न ब्रांड के तहत कई ऐसे मॉडलों की बिक्री की है जिन्हें सीकेडी इकाई के तौर पर आयात किया गया और भारत में असेंबल किया गया। इन मॉडलों में ऑक्टेविया, सुपर्ब, कोडियाक, जेट्टा और टिगुआन शामिल हैं। समूह पर आरोप है कि उसने अलग-अलग कलपुर्जों के तौर पर इन कारों का आयात कर सीमा शुल्क अधिकारियों को गुमराह किया और उच्च आयात शुल्क से बचने की कोशिश की।

हमारे साथ काम करने के लिए किसी ने कोई पैसे नहीं दिए~चीफ ऑफ स्टाफ पद की नियुक्ति पर जोमैटो के सीईओ

नई दिल्ली, एजेंसी। जोमैटो के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) दीपिंदर गोयल ने बुधवार को कहा कि कंपनी को 'चीफ ऑफ स्टाफ' पद के लिए 18,000 से अधिक आवेदन मिले, जिनमें से 30 उम्मीदवारों को विभिन्न पदों की पेशकश की गई है। उन्होंने साथ ही स्पष्ट किया कि '' हमारे साथ काम करने के लिए किसी ने कोई पैसा नहीं दिया।'' कंपनी नवंबर में 'चीफ ऑफ स्टाफ' के पद के लिए असामान्य मापदंड रखने के लिए बाद विवादों में आ गई थी। सीईओ ने इस पद पर नियुक्ति के लिए संभावित उम्मीदवारों से पहले वर्ष 20 लाख रुपये का भुगतान करने को कहा था, जिसे गैर-लाभकारी 'फीडिंग इंडिया' को दान देने की बात कही गई थी। साथ ही कंपनी ने उम्मीदवार की पसंद के किसी संगठन को 50 लाख रुपये दान देने की भी पेशकश की थी। गोयल ने दावा किया था कि यह भूमिका '' किसी शीर्ष प्रबंधन स्कूल से प्राप्त 2-वर्षीय डिग्री की तुलना में 10 गुना अधिक सीखने का अवसर प्रदान करेगी और इसमें मेरे तथा उपभोक्ता प्रौद्योगिकी के कुछ सबसे बुद्धिमान लोगों के साथ काम करना का अवसर भी मिलेगा।'' हालांकि उन्होंने बुधवार को बताया कि चयनित 30 लोगों में से 18 पहले ही जोमैटो (और ब्लिंकिट जैसी अन्य समूह कंपनियों) में ''उच्च प्रभावी भूमिकाओं'' पर शामिल हो चुके हैं और उनके द्वारा लाए गए मूल्य के लिए ''उन्हें अच्छा पारिश्रमिक दिया जा रहा है।''

गोयल ने कहा कि 18 लोगों में से चार सीधे उनके साथ काम करते हैं और उनमें से दो 'चीफ ऑफ स्टाफ' की भूमिका में हैं। उन्होंने कहा, ''हमारा काम अभी खत्म नहीं हुआ है। 18,000 से अधिक आवेदनों के साथ, हम अब भी इस अद्भुत प्रतिभावान लोगों को सावधानीपूर्वक छांट रहे हैं। यह सिर्फ एक बार की भर्ती नहीं है, यह उन लोगों में एक दीर्घकालिक निवेश है जो हमारे साथ भविष्य का निर्माण करेंगे। हम धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से सही लोगों तक पहुंचते रहेंगे।''

बेथ मूनी की जगह एश्ले गार्डनर गुजरात जायंट्स की कप्तान बनीं

नई दिल्ली । महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 2025 सीजन से पहले, गुजरात जायंट्स ने ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर एश्ले गार्डनर को अपना कप्तान नियुक्त किया है। वह अपनी ऑस्ट्रेलियाई साथी बेथ मूनी की जगह लेंगी, जिन्होंने डब्ल्यूपीएल 2024 में गुजरात की कप्तानी की थी। गुजरात डब्ल्यूपीएल के पहले दो सीजन में अंक तालिका में सबसे नीचे रही थी और अब वह 14 फरवरी को वडोदरा में गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ अपने डब्ल्यूपीएल 2025 सीजन की शुरुआत में अपनी किस्मत बदलने की कोशिश कर रही है। ÷गुजरात जायंट्स की कप्तानी मिलना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। मुझे इस टीम का हिस्सा बनना बहुत पसंद है और मैं आगामी सीजन में इस शानदार ग्रुप का नेतृत्व करने के लिए उत्साहित हूं। फ्रेंचाइजी द्वारा जारी एक बयान में एश्ले ने कहा, ÷हमारे पास युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का एक बेहतरीन मिश्रण है और हमारी टीम में बहुत सारी भारतीय प्रतिभाएं हैं। मैं टीम के साथ काम करने और अपने प्रशंसकों को गौरवान्वित करने के लिए उत्सुक हूं।÷ एश्ले 2017 से ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ नियमित रूप से जुड़ी हुई हैं और दो बार बेलिंडा क्लार्क पुरस्कार विजेता हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और दक्षिण अफ्रीका में 2023 महिला टी20 विश्व कप में प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट रहीं। 2023 में डब्ल्यूपीएल की शुरुआत के बाद से, एश्ले गुजरात जायंट्स की टीम का एक अभिन्न हिस्सा रही हैं, उन्होंने 324 रन बनाए हैं और 17 विकेट लिए हैं। मुख्य कोच माइकल क्लिंगर ने एश्ले के नेतृत्व में अपना विश्वास व्यक्त किया और पिछले सीज़न में टीम की कप्तान होने के लिए बेथ को धन्यवाद दिया। ÷वह एक ज़बरदस्त प्रतियोगी हैं। उनकी खेल जागरूकता, सामरिक कौशल और खिलाड़ियों को प्रेरित करने की क्षमता उन्हें गुजरात जायंट्स की कप्तानी के लिए आदर्श विकल्प बनाती है। हमारा मानना है कि वह आगे बढ़कर नेतृत्व करेंगी और टीम को सफल अभियान की ओर ले जाएंगी। ÷मैं मूनी को उनके अत्यधिक मूल्यवान नेतृत्व के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा। अब, वह विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी लाइनअप पर ध्यान केंद्रित कर पाएंगी। वह हमारे समूह की एक प्रमुख लीडर बनी हुई हैं। अडानी स्पोर्ट्सलाइन के मुख्य व्यवसाय अधिकारी संजय अडेसरा ने कहा, ÷गार्डनर अपने समर्पण, कौशल और नेतृत्व के साथ गुजरात जायंट्स की भावना का प्रतीक हैं। कप्तान के रूप में उनकी नियुक्ति एक विश्व स्तरीय टीम बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दोहराती है जो उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करती है। हमें विश्वास है कि उनकी कप्तानी में टीम डब्ल्यूपीएल में शानदार प्रदर्शन करेगी। गुजरात जायंट्स डब्ल्यूपीएल 2025 टीम~ एश्ले गार्डनर (कप्तान), बेथ मूनी, दयालन हेमलता, हरलीन देयोल, लौरा वोल्वार्ट, शबनम शकील, तनुजा कंवर, फोबे लिचफील्ड, मेघना सिंह, काशवी गौतम, प्रिया मिश्रा, मन्नत कश्यप, भारती फुलमाली, सयाली सतघरे, डींड्रा डॉटिन, सिमरन शेख, डेनिएल गिब्सन और प्रकाशिका नाइक।

फास्ट फॉरवर्ड

पुलिस अधिकारी और आपराधिक गिरोह के सदस्यों के खिलाफ अदालत के आदेश पर मुकदमा दर्ज

भदोही । भदोही जिले में लोगों को फर्जी मुकदमों में फंसाने वाले एक आपराधिक गिरोह के सदस्यों और एक पुलिस अधिकारी के खिलाफ अदालत के आदेश पर प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पुलिस ने बताया कि साजिश के तहत एक बुजुर्ग शख्स के खिलाफ बलात्कार और दलित उत्पीड़न का फर्जी मुकदमा दर्ज किए जाने के आरोप में गिरोह के सदस्यों और एक पुलिस अधिकारी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

शहर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अश्विनी कुमार त्रिपाठी ने बुधवार को बताया कि मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सबीहा खातून ने मंगलवार को पुलिस क्षेत्राधिकारी रैंक के अफसर अजय कुमार के साथ-साथ फर्जी मुकदमा दर्ज कराने वाली पूजा और उसके साथियों आशा तथा सुनील पासी के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया था।

उन्होंने बताया कि इसका पालन करते हुए आरोपियों के खिलाफ साजिश रचने, धोखाधड़ी करने, झूठे दस्तावेज का इस्तेमाल करने, जबरन वसूली के लिए फंसाने, जालसाजी करने और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने समेत विभिन्न आरोपों में शहर कोतवाली में मंगलवार देर रात प्राथमिकी पंजीकृत करके कार्यवाही की जा रही है।

त्रिपाठी ने बताया कि जिले के सुरयावा थाना क्षेत्र की रहने वाली आशा सरोज, प्रयागराज की पूजा सरोज तथा सुनील पासी का एक आपराधिक गिरोह है जो अवैध वसूली के लिए लोगों पर दलित उत्पीड़न के फर्जी मुकदमे दर्ज कराता है।

इस गिरोह ने वर्ष 2021 में सुरियावा थाना क्षेत्र के ही गणेशरायपुर निवासी लक्ष्मी शंकर उपाध्याय (60) पर कक्षा पांच में पढ़ने वाली एक दलित किशोरी से बलात्कार करने और धमकी देने समेत कई गंभीर आरोपों में मुकदमा दर्ज करवाया था। उन्होंने बताया कि इस मामले की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश की अदालत में हुई थी और उपाध्याय को नौ महीनों तक जेल में रहना पड़ा था। त्रिपाठी ने बताया कि अदालत में चली कार्रवाई में पूजा ने अपनी बेटी सुहानी को पूजा बताकर पेश किया और खुद महिमा सरोज बनकर पेश होती थी। इसके अलावा उसने अपनी बेटी के नकली अंकपत्र, प्रमाणपत्र और जाली आधार कार्ड भी अदालत में जमा किये थे। मुकदमे के विवेचक अजय कुमार पर भी इस पूरी साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया गया था। उन्होंने बताया कि एक साल तक चली अदालती प्रक्रिया के बाद अपर सत्र अदालत ने आठ सितंबर 2023 को उपाध्याय को बाइज्जत बरी करके पूजा सरोज पर आठ हजार रुपये का जुर्माना लगाया था। विवेचक अजय कुमार को भी विवेचना में गंभीर लापरवाही का दोषी मानते हुए कार्रवाई करने का आदेश दिया गया था। त्रिपाठी ने बताया कि उपाध्याय ने साजिश में शामिल होने के बावजूद विवेचक पर कोई कार्रवाई नहीं करने और फर्जी मुकदमा दर्ज होने तथा नौ महीने तक उन्हें जेल में रहने के बाद पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया था।

आईजीएफ ने आईजीयू चुनावों में आईओए के हस्तक्षेप पर आपत्ति जताई

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय गोल्फ महासंघ (आईजीएफ) ने भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू) के चुनावों में भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के हस्तक्षेप और हरीश कुमार शेट्टी के नेतृत्व वाले प्रतिद्वंद्वी गुट को मान्यता देने पर कड़ी आपत्ति जताई और कहा कि महासंघ की चुनाव प्रक्रिया आईओए के अधिकार क्षेत्र में नहीं आती है।

आईओए ने 30 दिसंबर को जारी एक पत्र में ब्रिजिंदर सिंह की अगुवाई वाली संस्था को अमान्य घोषित करते हुए शेट्टी के नेतृत्व वाले आईजीयू को मान्यता दे दी थी। आईओए अध्यक्ष पीटी उषा को कड़े शब्दों में लिखे पत्र में आईजीएफ के कार्यकारी निदेशक एंटनी स्कैनलॉन ने कहा कि विश्व संस्था 15 दिसंबर को हुए चुनाव में सिंह गुट की जीत का पूरा समर्थन करती है। शेट्टी और सिंह ने अलग-अलग चुनाव अधिकारी (आरओ) के अधीन अलग-अलग चुनाव और वार्षिक आम बैठक (एजीएम) आयोजित कीं। शेट्टी गुट का चुनाव इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश ओपी गर्ग की देखरेख में संपन्न हुआ, जबकि सिंह को पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश रामेश्वर मलिक की देखरेख में किए गए चुनाव में फिर से अध्यक्ष चुना गया था। स्कैनलॉन ने अपने पत्र में लिखा, ''हम हाल की वार्षिक आम बैठक और हमारे राष्ट्रीय महासंघ के सदस्य भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू) के पदाधिकारियों के चुनाव में आपके और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के हस्तक्षेप पर कड़े शब्दों में आपत्ति व्यक्त करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम चुनाव अधिकारी एचजे रामेश्वर सिंह मलिक द्वारा घोषित और युवा मामलों और खेल मंत्रालय द्वारा अनुमोदित पदाधिकारियों को मान्यता देते हैं और उनका पूरा समर्थन करते हैं। हमारा मानना है कि ना तो आईओए और ना ही आईओए के अध्यक्ष के रूप में आपके पास आईजीयू की वार्षिक आम बैठक और उसकी चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार है।''

ऑस्ट्रेलिया के कोच मैकडोनाल्ड ने कहा, कमिंस के चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने की संभावना बहुत कम

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने खुलासा किया कि टीम के कप्तान और तेज गेंदबाज पैट कमिंस की 19 फरवरी से शुरू होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पूरी तरह फिट होने की बहुत कम संभावना है। अगर कमिंस समय पर फिट नहीं होते तो फिर स्टीव स्मिथ या ट्रैविस हेड में से किसी को ऑस्ट्रेलिया की कमान सौंपी जा सकती है।

अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण श्रीलंका में टेस्ट श्रृंखला में नहीं खेलने वाले कमिंस टखने की चोट से भी जूझ रहे हैं और उन्होंने अभी तक अभ्यास शुरू नहीं किया है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान उनके टखने की समस्या बढ़ गई थी।

आरबीआई विकास को रफ्तार देने के लिए रेपो रेट में कर सकता है 25 आधार अंक की कटौती: रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) आगामी मौद्रिक नीति में देश की विकास दर को रफ्तार देने के लिए रेपो रेट में 25 आधार अंक की कटौती कर सकता है। गोल्डमैन सैश में भारत के अर्थशास्त्री, शांतनु सेनगुप्ता ने एक मीडिया रिपोर्ट में कहा कि मौजूदा समय में काफी अनिश्चितता है। नीति निर्माताओं को इस मिश्रण के बीच ही रास्ता निकालना है। उन्होंने आगे बताया कि दुनियाभर में टैरिफ में हुए बदलाव और वैश्विक अर्थव्यवस्था का ढांचा बदलने के कारण महंगाई में हल्की तेजी देखने को मिल सकती है, लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था अन्य देश के मुकाबले कम प्रभावित होगी।

आरबीआई के नए गवर्नर संजय संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में चल रही मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक 5 फरवरी से लेकर 7 फरवरी तक चलेगी। 7 फरवरी को आरबीआई गवर्नर द्वारा एमपीसी के फैसलों का ऐलान किया है। सेनगुप्ता ने आगे कहा, ÷पिछले साल के अधिकांश समय में भारत की मुद्रा में बहुत कम अस्थिरता रही। हालिया मूल्यह्रास एक कैच-अप समायोजन है, जो पहले हो जाना चाहिए था। यह एक सकारात्मक समायोजन है। बजट में खपत को बढ़ाने के लिए इनकम टैक्स छूट की सीमा 12 लाख रुपये तक करने के बाद इस बैठक को काफी अहम माना जा रहा है। इस बार ब्याज दरों में कटौती होने की संभावना है। आरबीआई द्वारा आखिरी बार ब्याज दरों में बदलाव फरवरी 2023 में किया गया था। उस समय केंद्रीय बैंक ने रेपो रेट को 25 आधार अंक बढ़ाकर 6.50 प्रतिशत कर दिया है। कुछ समय पहले आरबीआई ने सिस्टम में लिक्विडिटी बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए थे। इसे लेकर जेफरीज ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि बैंकिंग सिस्टम में लिक्विडिटी बढ़ाने के लिए उठाए गए कदम काफी सकारात्मक हैं। हाल ही में आरबीआई द्वारा की गई घोषणा से आने वाले हफ्तों में (फरवरी के अंत तक) बैंकिंग सिस्टम में 1.5 लाख करोड़ की लिक्विडिटी आएगी।

भारत में सोने की मांग 2024 में 5 फीसदी बढ़कर 802.8 टन~ डब्ल्यूजीसी

मुंबई/नई दिल्ली, एजेंसी। देश में सोने की मांग में दिन-ब-दिन इजाफा हो रहा है। सोने की मांग आयात शुल्कक में कटौती, शादी-ब्यादह और त्योगहारों से संबंधित खरीदारी से 2024 में सालाना आधार पर पांच फीसदी बढ़कर 802.8 टन पर पहुंच गई है। साल 2025 में पीली धातु की खपत 700-800 टन के बीच रहने की संभावना है। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की ओर से बुधवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 2024 में सोने की मांग 802.8 टन रही जबकि 2023 में यह 761 टन थी। सोने की मांग का कुल मूल्य 2024 में 31 फीसदी बढ़कर 5,15,390 करोड़ रुपये हो गया, जो 2023 में 3,92,000 करोड़ रुपये था। डब्ल्यूजीसी की स्वर्ण मांग रुझान 2024 की रिपोर्ट के मुताबिक चौथी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के दौरान मांग 265.8 टन पर स्थिर रही है, जो 2023 की इसी अवधि में 266.2 टन के समान है। आभूषणों की मांग 2024 में दो फीसदी घटकर 563.4 टन रह गई, जो 2023 में 575.8 टन थी। साल 2024 में सोने का आयात चार फीसदी घटकर 712.1 टन रह गया जबकि 2023 में यह 744 टन था। रिपोर्ट के अनुसार विश्व स्तर पर 2024 में सोने की मांग काफी हद तक स्थिर रही है। यह 2023 की तुलना में एक फीसदी मामूली वृद्धि के साथ 4,974 टन रही। इसकी मुख्य वजह उच्च कीमतें, कमजोर आर्थिक वृद्धि और बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं के बाद आभूषणों की मांग में गिरावट है। डब्ल्यूजीसी की रिपोर्ट के अनुसार विश्व स्तर पर 2023 में कुल सोने की मांग 4,945.9 टन रही थी, जो 2024 में 4,974 टन हो गई है। उल्ले.खनीय है कि 2024 में सोने की कीमत रिकॉर्ड ऊंचाइयों तक पहुंच गई थी। आभूषण विक्रेताओं व खुदरा विक्रेताओं की मजबूत मांग के बीच एक दिन पहले राष्ट्रीय राजधानी में सोना की कीमत 500 रुपये बढ़कर 85,800 रुपये प्रति 10 ग्राम था। इस वर्ष सोना 6,410 रुपये या 8.07 फीसदी चढ़कर 85,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जो एक जनवरी को 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम था।

हरियाणा बनाम मुंबई रणजी क्वार्टर फाइनल कोलकाता शिफ्ट

मुंबई। रणजी ट्रॉफ़ी क्वार्टर फाइनल के लिए मुंबई की रवानगी में देरी हो गई है क्योंकि उन्हें बीसीसीआई द्वारा आयोजन स्थल में देर से बदलाव की सूचना दी गई। टीम को बुधवार सुबह 5 फ़रवरी को लाहली पहुंचना था, जहां उन्हें शुक्रवार से हरियाणा से खेलना था। यह मैच अब कोलकाता में शिफ़्ट कर दिया गया है।

मंगलवार शाम को बोर्ड द्वारा सूचित किए जाने के बाद मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) अब टीम के लिए ज़ल्द से ज़ल्द कोलकाता के लिए उड़ान भरने की व्यवस्था करना चाहता है। इस मामले ने मेज़बान हरियाणा को भी आश्चर्यचकित कर दिया है क्योंकि बीसीसीआई ने देर से बदलाव के लिए कोई कारण नहीं बताया है। मुंबई की तरह हरियाणा के भी बुधवार देर रात कोलकाता पहुंचने की उम्मीद है। ईएसपीएन क्रिकइंफो को पता चला है कि लाहली में मौसम पिछले कुछ दिनों से साफ़ है और एसोसिएशन को बंसी लाल स्टेडियम में मैच की मेज़बानी करने का भरोसा था, जिसने इस सीज़न में अपने सभी तीन घरेलू मैचों की मेज़बानी की थी। ईएसपीएन क्रिकइंफो ने इस मामले में हरियाणा क्रिकेट संघ के अधिकारियों से बात करने का प्रयास किया लेकिन उन्होंने इस मामले पर कुछ भी कमेंट करने से मना कर दिया। हरियाणा की तरह, जम्मू-कश्मीर को भी घरेलू मैदान पर खेलने का फ़ायदा नहीं मिलेगा क्योंकि केरल के ख़ि?लाफ़ क्वार्टर फ़ाइनल जम्मू से पुणे के स्टेडियम में शिफ़्ट कर दिया गया है। हालांकि, लाहली के विपरीत, पता चला है कि जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन (जेकेसीए) कड़ी सर्दियों के कारण मैदान की स्थिति को लेकर चिंतित था और उसने बीसीसीआई को इसके बारे में बता दिया था। जेकेसीए मुंबई या अहमदाबाद में इस मैच की मेज़बानी करने का इच्छुक था, लेकिन ये दोनों जगह उपलब्ध नहीं थे, जिसके बाद मैच को पुणे में आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

अन्यउ दो नॉकआउट मैच ~ विदर्भ बनाम तमिलनाडु और सौराष्ट्र बनाम गुजरात तय नियमानुसार क्रमशः नागपुर (सिविल लाइंस स्टेवडियम) और राजकोट (निरंजन शाह स्टेडियम) में खेले जाएंगे, जहां ग्रुप में शीर्ष रहने वाली टीम मेज़बानी करती है। सात मैचों में छह आउटराइट जीत के कारण विदर्भ के 40 अंक इस सीज़न में ग्रुप चरण में किसी भी टीम द्वारा सबसे अधिक हैं।

मिल्कीपुर उपचुनाव~ सपा प्रत्याशी अजीत प्रसाद ने किया मतदान, बोले- फर्जी वोट डलवा रहे भाजपा के लोग

अयोध्या। सपा प्रत्याशी अजीत प्रसाद ने कहा कि भाजपा के लोग फर्जी वोटिंग करवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा जीत के लिए गड़बड़ी कर रही है।

मिल्कीपुर सीट पर सपा प्रत्याशी अजीत प्रसाद ने मतदान के बाद कहा कि भाजपा के लोग चुनाव जीतने के लिए गड़बड़ी कर रहे हैं। लोगों को धमकाया जा रहा है और सपा कार्यकर्ताओं को बूथों से भगाया जा रहा है। भाजपा के लोग फर्जी वोट डलवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन सब के बावजूद जनता हमारे साथ है और साइकिल को देख रही है। इस सीट पर सपा की जीत होगी। ग्राम प्रधान से विवाद का वीडियो वायरल होने पर उन्होंने कहा कि मुझे सूचना मिली कि भाजपा के लोग फर्जी वोटिंग करवा रहे हैं। इसकी शिकायत लोगों ने भी मुझसे की थी तब मैंने कहा था कि तुम बाहर जाओ। उन्होंने कहा कि भाजपा ने फर्जी वोटिंग के लिए बाहर से वोटर बुलवाए हैं। हमारी जीत का मार्जिन भले ही कम हो सकता है पर सपा की जीत होगी। भाजपा के लोगों ने पुलिस प्रशासन की मदद से हमारे वोटरों को रोका है।

अजाक्स इंजीनियरिंग का आईपीओ 10 फरवरी को खुलेगा, मूल्य दायरा 599-629 रुपये प्रति शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। केदारा कैपिटल समर्थित कंक्रीट उपकरण विनिर्माता अजाक्स इंजीनियरिंग ने अपने 1,269 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 599-629 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि आईपीओ 10 फरवरी को खुलेगा और 12 फरवरी को बंद होगा। बड़े (एंकर) निवेशक सात फरवरी को शेयरों के लिए बोली लगा पाएंगे। आईपीओ पूरी तरह 2.01 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है, जो मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर 1,269 करोड़ रुपये बैठता है। ओएफएस के तहत केदारा कैपिटल 74.37 लाख शेयरों की पेशकश करेगी। अजाक्स इंजीनियरिंग एक अग्रणी कंक्रीट उपकरण विनिर्माता है, जिसके पास कंक्रीट अनुप्रयोग से संबंधित उपकरणों, सेवाओं व समाधानों की व्यापक श्रृंखला है।

रूण, अल्काराज रोटर्डम में दूसरे दौर में पहुंचे

रोटर्डम, एजेंसी। शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज़ ने बुधवार (आईएसटी) को रोटर्डम ओपन में कड़ी टक्कर के साथ जीत हासिल करके पिछले साल यूएस ओपन में वैन डी ज़ैंड्सचुल्प से मिली हार का बदला ले लिया। स्पैनिश खिलाड़ी को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी, लेकिन उसने डच वाइल्डकार्ड ज़ैंड्सचुल्प के खिलाफ़ 7-6(3), 3-6, 6-1 से जीत हासिल कर इंडोर हार्ड-कोर्ट एटीपी 500 में दूसरे दौर में प्रवेश किया। एटीपी की रिपोर्ट के अनुसार अल्काराज़, जिन्हें पिछले साल यूएस ओपन में दूसरे दौर में डच खिलाड़ी ने चौंका दिया था, पूरे चुनौतीपूर्ण मुकाबले में अपनी लय को खोजने के लिए संघर्ष करते रहे। फिर भी 21 वर्षीय खिलाड़ी ने अपना संयम वापस पाया और एक प्रभावशाली अंतिम सेट में आगे बढ़ते हुए दो घंटे, 33 मिनट की जीत दर्ज की। 16 टूर-लेवल खिताब जीतने के बावजूद, अल्काराज़ अभी तक इंडोर चैंपियनशिप मैच में नहीं पहुंच पाए हैं। अब उनका अगला मुकाबला क्वालीफायर एंड्रिया वावस्सोरी या 2025 में दो बार खिताब जीतने वाले फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे से दूसरे दौर में होगा। इसके अलावा, कुछ शारीरिक बाधाएं भी थीं, जो सर्दी के साथ रोटर्डम पहुंचे थे और सांस लेने में आसानी के लिए अपनी नाक पर टेप का एक टुकड़ा लगाकर खेले थे। स्पैनियार्ड ने कहा, ÷मैं अभी भी 100 प्रतिशत फिट महसूस नहीं कर रहा हूं। इसके लिए मुझे कुछ और दिन चाहिए। लेकिन मानसिक रूप से मजबूत बने रहना ही सबसे बड़ी बात थी। और सौभाग्य से यह काम कर गया। इस लिहाज से यह प्रशंसकों के लिए भी एक शानदार मैच था। दूसरी ओर, होल्गर रूण ने हाल ही में ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टर फाइनलिस्ट लोरेंजो सोनेगो को दो घंटे, 11 मिनट में 7-6(4), 6-4 से हराकर लगातार तीसरे साल रोटर्डम के दूसरे दौर में प्रवेश किया। पांचवें वरीय खिलाड़ी ने 2022 सीजन की शुरुआत के बाद से अपनी 44वीं इंडोर जीत हासिल की, जो फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे की 53 जीत के बाद दूसरे स्थान पर है। 2022 पेरिस मास्टर्स चैंपियन का अगला मुकाबला स्पेन के पेड्रो मार्टिनेज से होगा और वह अपने ब्रेक पॉइंट रूपांतरण दर को बेहतर बनाने का प्रयास करेंगे, जो एटीपी स्टैट्स के अनुसार सोनेगो

भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर जनवरी में दो साल से अधिक समय में सबसे धीमी रही~ पीएमआई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर बिक्री व उत्पादन में धीमी वृद्धि के बीच जनवरी में दो वर्षों में सबसे धीमी गति से बढ़ी। बुधवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई।

मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा कारोबारी गतिविधि सूचकांक दिसंबर के 59.3 से घटकर जनवरी में 56.5 पर आ गया, जो नवंबर के बाद से इसका सबसे निचला स्तर है।

क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम का आशय संकुचन से होता है। एचएसबीसी के भारत के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, ''भारत के सेवा क्षेत्र ने जनवरी में वृद्धि की गति खो दी, हालांकि पीएमआई 50 के स्तर से काफी ऊपर रहा। व्यावसायिक गतिविधि और नए व्यवसाय पीएमआई सूचकांक क्रमशः नवंबर 2022 और नवंबर 2023 के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर आ गए।'''

कुल नए ऑर्डर के रुझान के विपरीत, अंतरराष्ट्रीय बिक्री में तेजी से वृद्धि हुई। सर्वेक्षण में शामिल लोगों ने एशिया, यूरोप, पश्चिम एशिया और अमेरिका के ग्राहकों से लाभ का उल्लेख किया। विस्तार की कुल दर पांच महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। भंडारी ने कहा, ''ज नए निर्यात कारोबार में आंशिक रूप से गिरावट रही, हालांकि 2024 के अंत में गिरावट से उबरना जारी रखाज''

सर्वेक्षण में कहा गया कि नए व्यवसाय में निरंतर सुधार और बढ़ती क्षमता दबाव ने सेवा प्रदाताओं को पिछली वित्तीय तिमाही के प्रारंभ में अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती करने के लिए प्रेरित किया। पूर्णकालिक तथा अंशकालिक पदों पर नियुक्तियां की गईं। दिसंबर से रोजगार सृजन की दर में तेजी आई और यह दिसंबर 2005 में डेटा संग्रह शुरू होने के बाद से सबसे तेजी से बढ़ी।

मूल्य के मोर्चे पर, सेवा कंपनियों ने अपने खर्चों में एक और उछाल देखा, जिसकी मुख्य वजह कर्मचारियों की बढ़ती लागत के साथ खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतें भी रहीं। बढ़ती लागत के बोझ व मांग के लचीलेपन के परिणामस्वरूप 2025 की शुरुआत में भारतीय सेवाओं के प्रावधान के लिए लगाए गए मूल्य और भी बढ़ गए। इस बीच, भारत की निजी क्षेत्र की वृद्धि दर जनवरी में कुछ धीमी हुई।

एचएसबीसी इंडिया कम्पोजिट आउटपुट सूचकांक दिसंबर के 59.2 से गिरकर 14 महीने के निचले स्तर 57.7 पर आ गया। समग्र पीएमआई सूचकांक तुलनीय विनिर्माण व सेवा पीएमआई सूचकांकों का भारित औसत है। एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 सेवा क्षेत्र की कंपनियों के समूह को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

किशोरी को अगवा करने के दोषी युवक को 25 साल की कैद

बलिया । बलिया की एक स्थानीय न्यायालय ने एक किशोरी को अगवा करने के तकरीबन ढाई वर्ष पुराने मामले में आरोपी युवक को मंगलवार को दोषी करार देते हुए 25 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है।

अभियोजन पक्ष के अनुसार जिले के गड़वार थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली एक किशोरी को 20 सितम्बर 2022 को पियरही गांव के निवासी आशीष कुमार ने अगवा कर लिया था। इस मामले में किशोरी के पिता की तहरीर पर आशीष के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने बुधवार को बताया कि अपर जिला जज प्रथम कांत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद आरोपी आशीष को दोषी करार देते हुए 25 साल के कारावास और 40 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

महाकुंभ आए तो आटरामपुर गांव का पंचायत भवन देखने जरूर आए-ग्राम विकास अधिकारी

संवाददाता

प्रतापगढ़ 73वे संविधान संशोधन, 1992 द्वारा पंचायतों को सशक्त बनाने का प्रयास किया गया, मगर अभी भी आधारभूत संरचना में ग्रामीण भारत बहुत पीछे है। प्रयागराज से महज 20 किलोमीटर दूर और लखनऊ-प्रयागराज हाइवे से 3 किलो मीटर दूर कौड़ीहार ब्लाक अंतर्गत आटरामपुर उर्फ नवाबगंज गांव में महिला ग्राम पंचायत विकास अधिकारी (सचिव) और प्रधान की सोच से एक ओर जहां ग्रामीणों को आधुनिक पंचायत भवन मिला तो वही दूसरी ओर सचिव और ग्राम प्रधान का नवाचार अन्य ग्राम पंचायतों के लिए नजीर साबित हो रहा है।

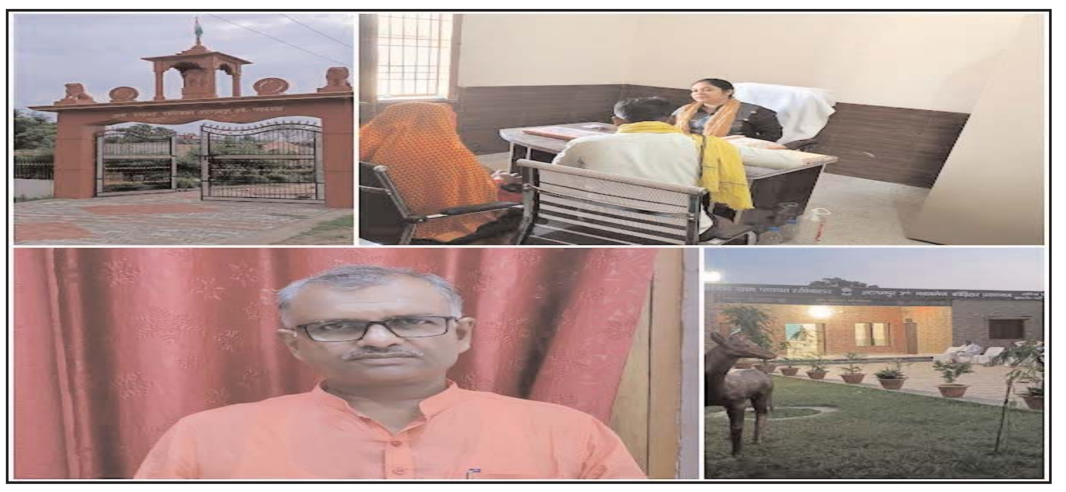

क्यों है सबसे अलग साल 2021 में बने शहीद चंद्रशेखर आजाद नाम के इस पंचायत भवन (ग्राम संसद) की खासियत इसे दूसरे पंचायत भवनों से अलग करता है। यहां महानगरों की तर्ज पर शेल्फी पॉइंट (आई लव आटरामपुर) और कलात्मक, आकर्षक रूप से लान बनाते हुए एक सजावटी हिरण रखा गया है,जो बरबस ही अपनी ओर आकर्षित कर लेता है। साथ ही पंचायत भवन के सामने का हिस्सा कलात्मक टाइल्स से सजाया गया है। अन्दर सचिव, प्रधान, पंचायत सहायक के लिए अलग, अलग अत्यंत सुविधायुक्त सुसज्जित चैंबर बनाया गया है, और आधुनिक संसाधन, सुविधा से युक्त एक बड़ासभागार भी मौजूद है। इसी परिसर के अंदर अमृत वाटिका, अमृत सरोवर, सामुदायिक शौचालय भी मौजूद है जो कि इसे अन्य गांवों से अलग करता है। आकर्षण का केंद्र होने के कारण स्थानीय लोग यहां पिकनिक मनाने आते है। इस बावत ग्राम प्रधान राजाराम मौर्य कहते है कि मेरी इच्छा थी कि गांव का पंचायत भवन अत्याधुनिक, अच्छा और आकर्षण का केंद्र बने, मूर्त रूप देने के लिए मैने शहर की रहने वाली तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी अंकिता सिंह को जिम्मेदारी सौंप दी। उन्होंने इंटरनेट से सहारा लेकर अच्छे-अच्छे मॉडल खोजे, जिसमें से एक आप सभी के सामने है। क्या बोली पंचायत सचिव- समाज शास्त्र में परा स्नातक तत्कालीन सचिव अंकिता सिंह ने बताया कि मैं शहर की रहने वाली हूं, मगर मन पूरी तरह से गांव में रमा है। जब मुझे गांव में काम करने का मौका मिला तो

ख्याल आया कि क्यों न शहरों जैसी आधुनिक बिल्डिंग गांव में विकसित की जाए, पंचायत भवन को बेहतर बनाने के लिए लगातार मैने इंटरनेट से मदद ली। आमतौर पर सरकारी बिल्डिंग भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती है, मगर यहां स्थित जुदा है। इस मुद्दे पर अंकिता सिंह कहती है पिता भूपेंद्र सिंह के दिए संस्कार और पति रवींद्र सिंह द्वारा मिलने वाले सहयोग से गांव को सजाने, संवारने का सपना साकार हो गया। अधिकारी और ग्रामीण है खुशप्पंचायत भवन में अनूठा, आधुनिक नवाचार होने से सभी पंचायत भवनों से यहां की स्थित अलग हो गई। इससे यहां कई बार दौरे पर आए जनपद स्तरीय अधिकारियों ने जहां वाह किया वही दूसरी ओर ग्रामीण भी तारीफों के पुल बांध रहे है

संस्कार भारती में सरस्वती पूजन एवं भव्य कवि सम्मेलन

संवाददाता

प्रयागराज।बसन्त-पंचमी के पावन-पुनीत अवसर पर मेला-क्षेत्र स्थित संस्कार भारती के महेश्वर परिसर में प्रातःकाल सरस्वती-पूजन एवं प्रसाद वितरण हुआ।पंज़राजेन्द्र प्रसाद त्रिपाठी %मधुकर% के वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यजमान योगेन्द्र कुमार मिश्र एवं रेखा मिश्रा ने विधिवत सरस्वती-पूजन-हवन किया।

सायंकाल जनकवि प्रकाश की अध्यक्षता में तथा राजेश सिंह राज की सरस्वती वंदना %ममतामयि ज्ञान दायिनी मईया शारदे प्राणों में भरो दिव्य ज्ञान का विहान।अलसाये जाग उठें जप तप में लगे लगन भटके भी साध सके सतपथ का ध्यान।% से कविसम्मेलन का शुभारंभ हुआ।अमरदीप की तरह जलो तुम मत बुझना तूफानों में,बढते रहना रुक मत जाना जग वालों के तानों में,पढ़कर वरिष्ठ कवि डाज़्ज़योगेन्द्र कुमार मिश्र %विश्वबन्धु% ने श्रोताओं की तालियां बटोरीं।शम्भूनाथ श्रीवास्तव, पंज़राकेश मालवीय ने पढा महाकुंभ के कालखंड में, किसको तिलक लगाऊँ।कहाँ खड़े हैं राम दुलारे, किसको टेर सुनाऊँ? आकर्षक संचालन के साथ डाज़्पीयूष मिश्र पीयूष ने कवि सम्मेलन के संचालक डॉ.पीयूष मिश्र %पीयूष% ने गंगा में जब नहाया जीवन नवल हुआ है, तन भी खिला खिला है मन भी धवल हुआ है ÷ पंक्तियां पढ़कर वाहवाही लूटी। कवि-कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा ने अपनी कविता अंधा युग सुनाई-------पहले भी लोग मरते थे अब खुद को मार रहे हैं तो क्या वह इंसानियत क्या मानवता को तार रहे हैं। सुनाकर दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर दिया कवि विवेक सुमन शर्मा ने भी रचना पाठ कर तालियां बटोरीं।

जादूगर ने जादू दिखाकर किया कैंसर के प्रति लोगों को जागरूक

लखीमपुर-खीरी। सीएमओ कार्यालय परिसर में विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर वृहद गोष्ठी का आयोजन यूनाइटेड बाय यूनिक united by unique थीम पर किया गया द्य गोष्ठी का संचालन डॉ अनिल गुप्ता नोडल अधिकारी एनसीडी सेल द्वारा किया गया। वहीं अध्यक्षता कम डॉ संतोष गुप्ता ने की। गोष्ठी में डॉ संतोष गुप्ता द्वारा प्रतिभागियों को कैंसर के होने वाले कारकों, बचाव पहचान एवं उपचार पर विस्तृत चर्चा की गई, तथा जन सामान्य में होने वाले कैंसर की स्क्रीनिंग करते हुए कैंसर को अति शीघ्र पहचान एवं संदर्भ के लिए प्रेरित किया। उक्त गोष्ठी में डॉ एसपी मिश्रा, डॉ प्रमोद वर्मा, डॉ राकेश गुप्ता, डॉ रामकिशोर अनिल यादव, कुलदीप, सतपाल सिंह, विजय वर्मा आदि उपस्थित रहे। तत्पश्चात कार्यालय परिसर में एक मानव श्रृंखला का आयोजन किया गया। सिकंदर बादशाह जादूगर द्वारा विभिन्न जादू के माध्यम से कैंसर के प्रति जन जागरूकता का कार्यक्रम संपादित किया गयाद्य अंत में कार्यक्रमों का समापन मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा हस्ताक्षर अभियान के बैनर पर हस्ताक्षर की शुरुआत करते हुए किया गया।

नगर-निगम ने बुलडोजर चलाकर सफाईकर्मियों से छीनी छत

वाराणसी । वाराणसी में मंगलवार को नगर निगम का बुलडोजर कज्जाकपुरा स्थित संक्रामक रोग अस्पताल के आवासीय परिसर पर चला। पुलिस की मौजूदगी में सफाई कर्मियों की बस्ती खाली कराई गई। 20 साल से रहने वाले परिवार के सिर से 20 मिनट में छत छिन गई। निगम ने आखिरकार उन आवासों पर बुलडोजर चला दिया और सभी मकान जमीदोंज कर दिए। यहां रह रहे 42 परिवार को बेघर कर दिया। पुलिस के आगे सफाई कर्मियों की एक नहीं चली और एक-एक करके सभी निर्माण ध्वस्त हो गए। नगर निगम के अनुसार गंगा नगर कालोनी कज्जाकपुरा में प्रस्तावित यूनिटी माल निर्माण के लिए नगर निगम के स्वामित्व वाली जमीन चिह्नित की गई है। इसमें यह जमीन भी शामिल है। इसके निर्माण के लिए ईपीसी के ठेकेदार के द्वारा निविदा डाली गई है। कुछ दिन पहले ही नगर निगम में नायब तहसीलदार की तरफ से मकान खाली करने के लिए मकानों पर नोटिस चस्पा किया गया था। इसके बाद मंगलवार को नगर निगम के अतिक्रमण दस्ते ने कार्रवाई शुरू की। यहां के मकानों को खाली कराते हुए गिराना शुरू कर दिया। उधर, नोटिस के बाद धीरे-धीरे सफाईकर्मियों ने आवास खाली करना शुरू कर दिया था। 3 घंटे में 42 मकान पर बुलडोजर चलाया गया। शाम तक अस्पताल परिसर में मलबा हो गया। इसके अलावा बस्ती के बाहर बना शौचालय भी तोड़ दिया गया। इस दौरान कुछ लोगों ने एक लेटर भी दिखाया। जो साल 2005 का है। इसमें तत्कालीन नगर आयुक्त पुष्पपति सक्सेना के हस्ताक्षर हैं। 5 जुलाई 2005 के इस लेटर में लिखा है- लोक निर्माण विभाग द्वारा हाल ही में सड़क किनारे कज्जाकपुरा में रहने वाले सफाईकर्मियों को हटाया गया है।

आलू भंडारण शुल्क बढ़ोतरी पर किसानों का अल्टीमेटम,9 फरवरी तक समाधान नहीं तो करेंगे आलू डंप

आगरा । आगरा में कोल्ड स्टोरेज मालिकों द्वारा आलू भंडारण शुल्क में की गई बढ़ोतरी के विरोध में भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) ने आज कड़ा रुख अपनाया है। मंडल अध्यक्ष राजकुमार तोमर के नेतृत्व में किसान नेताओं ने आगरा मंडलायुक्त से मुलाकात कर अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा। मंडलायुक्त शैलेंद्र सिंह ने किसानों और कोल्ड स्टोरेज मालिकों के बीच उद्यान विभाग की मौजूदगी में बैठक कराने का आश्वासन दिया है। किसान नेताओं ने 9 फरवरी तक का अल्टीमेटम दिया है। यदि इस अवधि में भंडारण शुल्क बढ़ोतरी पर रोक नहीं लगी, तो किसान आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, यमुना एक्सप्रेसवे और मंडल के सभी जिलों में स्थित डीएचओ कार्यालयों में आलू डंप करने का आंदोलन शुरू कर देंगे।

क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी ने पेश की मिसाल

सदभावना का प्रतीक समाचार

कुंडा - जहां आए दिन समाज में दहेजलोभियों द्वारा महिलाओं को प्रताड़ित किया जाता है। वहीं समाज में ऐसे भी व्यक्ति हैं जो दहेज रहित विवाह कर समाज को एक नई दिशा प्रदान करते हैं। प्रतापगढ़ जनपद के कुंडा व बाबागंज विकास खंड में क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी के पद पर कार्यरत ओम गायत्री नगर, सलोरी, प्रयागराज निवासी देश दीपक जोशी ने दहेज रहित विवाह कर समाज में एक नई मिसाल कायम की है। महाकुंभ क्षेत्र प्रयागराज में अखिल विश्व गायत्री परिवार के सेक्टर 10 स्थित शिविर में वसंत पंचमी के अवसर पर शनिवार को उनका विवाह प्रयागराज की शालिनी त्रिपाठी के साथ वैदिक पद्धति व यज्ञ के साथ बेहद पारंपरिक तौर तरीकों से संपन्न हुआ। इस दौरान उनके परिवारजन, मित्रगण व रिश्तेदार आदि उपस्थित रहे।

काव्यकृतिफ़ साहित्यिक संस्था की वसंत उत्सव पर काव्य गोष्ठी संपन्न

जबलपुर ।संस्कारधानी जबलपुर शहर की उभरती हुई साहित्यिक संस्था ÷काव्यकृति÷ की वसंत उत्सव पर आधारित काव्य गोष्ठी कचनार प्लाजा कचनार सिटी विजय नगर जबलपुर में संस्था के संस्थापक और संयोजक श्रीमान विवेक शैलार के द्वारा सफलता पूर्ण आयोजित की गई । काव्यकृति÷ की अध्यक्षता श्रीमान मदन श्रीवास्तव (गजलकार) मुख्य अतिथि श्री संगम त्रिपाठी (हिंदी प्रचारिणी महासभा के संस्थापक) विशिष्ट अतिथि श्री गणेश श्रीवास्तव प्यासा (सशक्त हस्ताक्षर के संस्थापक) और सारस्वत अतिथि श्री राजेंद्र सिंह ठाकुर जो कि कटनी के जाने-माने कवि है और उद्घोषक श्री अखिलेश खरे अखिल के द्वारा की गई !

संस्कारधानी की प्रतिष्ठित कवियित्रियों और मात्र शक्तियों ने ÷काव्यकृति÷ में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया जिसमें सरस्वती वंदना की शुरुआत श्रीमती अर्चना द्विवेदी गुदालु ने की श्रीमती प्रभा बच्चन श्रीवास्तव, श्रीमती कृष्णा राजपूत की ओजपूर्ण प्रस्तुति, श्रीमती मीना भट्ट भूतपूर्व जज, भावना दीक्षित जी कविता नेमा काव्या , श्रीमती मंजू जायसवाल, बुंदेली कवित्री श्रीमती तरुणा खरे और प्रीति नामदेव भूमिजा ने अपनी कविता से समां बांध दिया !

जबलपुर के गणमान्य कवि श्री प्रदीप बकौड़े, अम्लान गुहा नियोगी, कालिदास ताम्रकार, दीपेश दबे जी, लखनलाल रजक, प्रकाश सिंह ठाकुर, अमर सिंह वर्मा, गुप्तेश्वर द्वारका गुप्त, श्री सुशील जैन, कृष्ण गोप की कविताओं ने मंच को नई ऊंचाइयां प्रदान की !

एडीए के 4218 डिफॉल्टर, 173 करोड़ रुपए बकाया,आगरा कमिश्नर ने दिए आवंटन निरस्त के निर्देश

आगरा । आगरा में एडीए के कुल 4218 डिफाल्टर हैं जिन पर लगभग 173 करोड़ बकाया है। कमिश्नर ने निर्देश दिए हैं कि ईडब्लूएस को छोड़कर शेष सभी संपत्तियों पर जितने भी डिफॉल्टर हैं, उन सभी के आंवटन निरस्त किए जायें। साथ ही न्यायालय से जुड़े जितने विवादित मामले हैं, उन सभी प्रकरणों में आवश्यक अग्रिम कार्यवाही करते हुए निरस्तीकरण किया जाए। कमिश्नर शैलेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में आगरा विकास प्राधिकरण(एडीए) की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में सबसे पहले प्राधिकरण की सभी योजनाओं के अन्तर्गत सभी संपत्तियों (आवासीय, व्यवसायिक एवं किरायेदार) की समीक्षा की गयी। बताया गया कि एडीए की कुल 33113 आवासीय संपत्तियां और 5260 अनावासीय संपत्तियां हैं। 763 आवासीय और 48 अनावासीय संपत्तियों की बिक्री के लिए पंजीकरण जारी है। जबकि 2921 आवासीय और 818 अनावासीय संपत्तिया में विभिन्न प्रकार के प्रकरणों के कारण आंवटन नहीं हो पा रहा है। कमिश्नर ने समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि वेरिफिकेशन होने वाली संपत्तियों की संख्या ज्यादा है। इसलिए प्राथमिकता पर इन प्रकरणों का निस्तारण किया जाए, साथ ही कोर्ट में विचाराधीन, विवादित और अवैध कब्जे के प्रकरणों का भी निस्तारण कर सभी संपत्तिया को आंवटन के लिए निकाला जाए। किराये की संपत्तियों को लेकर निर्देश दिए कि अवशेष अनावंटित संपत्तियों का आंवटन किया जाए तथा पॉलिसी के अनुसार किराये की दर में भी बढ़ोत्तरी की जाए। वर्तमान वित्तीय वर्ष में संपत्तियों से एडीए अभी तक 114 करोड़ की आय कर चुका है। प्राधिकरण की प्रगतिमान व पूरी हो चुकी परियोजनाओं एवं विकास कार्यो की समीक्षा की गयी। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि आगरा चौपाटी को और आकर्षित बनाने के लिए प्लानिंग की जाए। खाली दुकानों को किराए पर आंवटित किया जाए। बिल्डिंग में रूफ टॉप रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करने के लिए एंजेसी का चयन किया जाना है। इसे लेकर निर्देश दिए गये कि एजेंसी का चयन होते ही सबसे पहले उन बिल्डिंग में रेन वॉटर सिस्टम स्थापित किये जाएं। जिनकी एफडीआर जमा है। वहीं इसे स्थापित करने में खर्च को देखते हुए भविष्य में सिक्योरिटी मनी भी नियमानुसार बढ़ाई जाए। यमुना नदी किनारे मंटोला नाला से ताज पूर्वी दिशा की तरफएडीए द्वारा नाला बनाया जा चुका है। वन विभाग द्वारा फेसिंग कराये जाने के निर्देश दिए।

थाने के पास दो सांडों की लड़ाई,15 मिनट यातायात रहा ठप

अमेठी । प्रशासनिक लापरवाही का एक और उदाहरण सामने आया है, जहां मुसाफिरखाना थाने से महज 100 मीटर की दूरी पर दो सांडों के बीच भीषण लड़ाई ने स्थानीय लोगों को परेशान कर दिया। करीब 15 मिनट तक चले इस युद्ध ने यातायात व्यवस्था को पूरी तरह से ठप कर दिया। घटना में दो सांड आमने-सामने आ गए और उनके बीच जबरदस्त लड़ाई शुरू हो गई। इस दौरान वाहन चालकों को अपनी जान जोखिम में डालकर वहां से निकलना पड़ा।

भयहरण नाथ धाम में 25 वें महाकाल महोत्सव व महाशिवरात्रि मेला की तैयारी बैठक 9 फरवरी को

सदभावना का प्रतीक समाचार प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में प्रबन्ध संस्था भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के प्रबन्ध समिति व मेला व मन्दिर समितियों की बैठक 9 फरवरी दिन रविवार को होगी। बैठक में स्थानीय पुलिस चौकी और नगर पंचायत के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित कर सहभागिता का अनुरोध किया गया। इस अवसर पर 25 वें महाकाल महोत्सव व महाशिवरात्रि के विशाल मेला के संदर्भ में व्यापक विचार बिमार्श करके योजना को अंतिम रूप दिया जायेगा। धाम के महासचिव सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर ने बताया की इस वर्ष महोत्सव का केंद्रीय विषय ÷ महाकुंभ का ऐतिहासिक व धार्मिक महत्व तथा समाज में उसका प्रभाव ÷ होगा। 24 से 27 फरवरी तक जन सहयोग तथा लोक भागीदारी से सुव्यवस्था के साथ उदेश्य पूर्ण आयोजन होंगे। मुख्य पर्व 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के विशाल मेले के भीड़ प्रबन्धन के संबंध में सभी विषयों पर संबंधित विभाग के साथ विचार कर आवश्यक रणनीति तय होगी। 9 फरवरी को दोपहर 12 बजे आयोजित बैठक में प्रबन्ध समिति सहित मेला व मन्दिर समिति के सदस्यों सहित सभी मंदिरों के पुजारी व व्यवस्थापक सहभागिता करेंगे।

घर में लगी भीषण आग,फायर ब्रिगेड और पुलिस ने टाला बड़ा हादसा

अमेठी। जिले में आज सुबह एक घर में अचानक लगी आग से हड़कंप मच गया। गौरीगंज कोतवाली क्षेत्र के पूरे रोहिणी मजरे सराय भगमानी गांव में अशोक मिश्र के घर में अज्ञात कारणों से आग लग गई। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तत्काल पुलिस को सूचित किया। स्थानीय लोगों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही गौरीगंज पुलिस और दमकल विभाग की टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने पहले घर में फंसे लोगों और मवेशियों को सुरक्षित बाहर निकाला और फिर आग पर काबू पाया। गौरीगंज के एसएचओ श्याम नारायण पांडेय ने बताया कि पुलिस और दमकल विभाग की समयबद्ध कार्रवाई से किसी भी तरह की जनहानि नहीं हुई। हालांकि घर में रखा सामान जलकर नष्ट हो गया। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। स्थानीय प्रशासन द्वारा नुकसान का आकलन किया जा रहा है ताकि प्रभावित परिवार को उचित मुआवजा और सहायता प्रदान की जा सके।

रविदास मंदिर में 300 सेवादारों का पहुंचा जत्था,10 दिनों तक चलेगा प्राकट्योत्सव

वाराणसी । वाराणसी में 12 फरवरी को रविदास जयंती पर भारत सहित 10 देशों के रैदासी संत रविदास का आशीर्वाद लेने के लिए काशी पहुंचेंगे। पांच किलोमीटर के दायरे में लगने वाले इस जन्मोत्सव की तैयारी शुरू कर दी गई है। रैदासियों की सेवा करने के लिए पंजाब से 200 से अधिक सेवादारों का जत्था बनारस पहुंच गया। वहीं, सीर गोवर्धनपुर मेले का रंग दिखने लगा है। रैदासी दर्शन के लिए आने लगे हैं। संत रविदास के प्राकट्योत्सव पर 10 दिनों तक उत्सव रहेगा। रविदास मंदिर से लेकर सीरगोवर्धन तक मेला में तब्दील हो जएगा। श्रीगुरु रविदास जन्म स्थान पब्लिक चौरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी केएल सरोवा ने बताया कि सेवादारों का पहला जत्था पहुंचा गया है। वहां से 3 ट्रक गेहूं, चावल व अन्य खाद्य सामग्री आ चुकी है। केएल सरोवा ने बताया-मैदान में सभा स्थल पर जर्मन हैंगर टेंट लग रहा है। जो 300 फीट लंबा और 100 फीट चौड़ा है। मैदान के सामने ही करीब सौ और टेंट बनकर तैयार हो गए हैं। इसमें हर राज्यों के अलग-अलग ठहरने के लिए टेंट बने हैं। इसमें लंगर, सामग्री रखने आदि के लिए भी टेंट बने हैं।

इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी व माई भारत अंतर्गत नेहरू युवा केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर आयोजित हुई विशाल संगोष्ठी''

शाहजहांपुर इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी एवं मेरा युवा भारत अंतर्गत नेहरू युवा केंद्र शाहजहांपुर के संयुक्त तत्वावधान में विकासखण्ड खुटार के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सभागार में विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर एक जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में निर्वतमान जिला पंचायत अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह यादव व विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख खुटार नामित दीक्षित, जिला युवा अधिकारी मयंक भदौरिया, नमामि गंगे डी पी ओ विनय सक्सेना, अतिथि के रूप में प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉक्टर संजीव कुमार, मंडल अध्यक्ष समाजसेवी देव पटेल, पूर्व चेयरमैन नगर पंचायत खुटार लक्ष्मण गुप्ता, प्रबंधन समिति रेड क्रॉस के सदस्य अनुज जौहरी, प्रदेश प्रबंधन समिति के सदस्य डॉ रविन्द्र नाथ, जिला सचिव रेड क्रॉस डॉ विजय जौहरी, बीसीपीएम गीता जायसी समेत अन्य आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहीं। संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए अजय प्रताप यादव ने कहा कि शिक्षा एवं जागरूकता ही कैंसर के प्रति प्रबल रोकथाम के माध्यम है व सभी को शारीरिक गतिविधियों को दैनिक जीवन मे अपनाना चाहिए। ब्लॉक प्रमुख नामित दीक्षित ने सभी से स्वस्थ जीवनशैली व संतुलित आहार के नियमत सेवन के लिये प्रेरित किया। रेड क्रॉस सचिव डॉ विजय जौहरी ने बताया कि महिलाओं में स्तन कैंसर और बच्चेदानी का कैंसर सर्वाधिक होता है और स्वयं की जांच एवं जागरूकता से ही इसका बचाव किया जा सकता है व उन्होंने बताया कि महिलाओं में 13 साल की उम्र से टीकाकरण लगवाकर कर गर्भाशय कैंसर का बचाव भी किया जा सकता है। जिला युवा अधिकारी मयंक भदौरिया ने कहा कि जागरूकता, सतर्कता और अनुशासित जीवनशैली अपनाकर श्कैंसरश् से बचाव संभव है व सभी से कहा कि आज विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर हम सभी इसके रोकथाम, समय पर जांच और उपचार के प्रति जनजागरण का संकल्प लें एवं एक स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान दें।

॒नाबालिक छात्रा से गैंगरेपरू पुलिस मुठभेड़ में दो आरोपित गिरफ्तार'

शाहजहांपुर । नाबालिक छात्रा से गैंगरेप करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला शाहजहांपुर के थाना रोजा क्षेत्र का है, जहां 29 जनवरी को एक नाबालिक छात्रा के साथ तीन युवकों ने सामूहिक बलात्कार किया था। आरोपितों ने छात्रा का रास्ता रोककर जंगल में ले जाकर घटना को अंजाम दिया था और घटना का वीडियो भी बना लिया था। आरोपितों ने छात्रा को धमकी दी थी कि अगर वह मुंह खोलेगी, तो वे वीडियो सोशल मीडिया में वायरल कर देंगे।

पुलिस ने इस मामले में तस्वबर, लंकुश और कुंवरपाल के खिलाफगैंगरेप और पास्को एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज की थी और उनकी गिरफ्तारी के लिए टीम लगा दी थी। बीती देर रात पुलिस और आरोपियों के बीच मुठभेड़ हो गई, जिसमें दो आरोपित तस्वबर और लंकुश गिरफ्तार हुए हैं। इस दौरान तस्वबर के पैर में गोली लगी है जबकि लंकुश का पैर फैक्चर हो गया। मुठभेड़ के दौरान एक सिपाई भी घायल हो गया। तीसरे आरोपित कुंवरपाल की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है।

कैंट स्टेशन से पकड़ा गांजा तस्करों का सरगना

आगरा । आगरा जीआरपी और आरपीएफक्राइम ब्रांच ने गांजा तस्करी करने वाले गिरोह के सरगना को पकड़ा है। इसके पास से बड़ी मात्रा में गांजा और करीब ढाई लाख रुपए बरामद हुए हैं। गिरोह के दो सदस्यों को जीआरपी ने एक दिन पहले ही जेल भेजा था। आगरा कैंट जीआरपी और आरपीए क्राइम ब्रांच ने संयुक्त रूप चेकिंग के दौरान कैंट स्टेशन के पास से एक फार्च्यूनर कार को रोका। कार की चेकिंग में अंदर करीब 7 किलो गांजा मिला। कार चालक से पूछताछ की गई तो उसने अपना नाम धर्मेंद्र यादव उर्फ गोलू निवासी नगला रामबक्श एत्मादपुर बताया। उसने बताया कि वो गांजा तस्करी करने वालों का गैंग चलता है। उसक दो साथी भी कल

जीआरपी ने पकड़े थे। आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर चौकिंग के दौरान सोमवार को जीआरपी पुलिस टीम ने आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर बिहार के गोपालगंज निवासी मासूम अली और अभिषेक पटेल को गिरफ्तार किया। दोनों के पास से 18.950 किग्रा अवैध गांजा बरामद हुआ। जिसकी अन्तर्राष्ट्रीय कीमत लगभग 3,70,000 रूपये है। चौकिंग के दौरान 2 शातिर अभियुक्तगण को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तगण के कब्जे से कुल 18.950 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। इस संबंध में थाना आगरा कैंट पर मु0अ0सं0 36৳2025 धारा 8৳20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत किया गया। पूछताछ में दोनों अभियुक्तों ने बताया कि वह उड़ीसा सम्भलपुर से भास्कर नाम के व्यक्ति से गांजा लाकर गोलू उर्फ धर्मेन्द्र पुत्र प्रेमसिंह यादव निवासी ग्राम नगला राम बक्श थाना एत्मादपुर आगरा को सप्लाई करते हैं। धर्मेंद्र इस गांजे को आगरा के अलावा आसपास के क्षेत्रों में देता था। पुलिस ने दोनों को जेल भेज दिया है। जीआरपी ने पहले भी आगरा कैंट रेलवे स्टेशन से कई बार गांजे की तस्करी करने वालों को गिरफ्तार किया है। एक जनवरी को ही तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था, जिनके पास से 10 किलो से ज्यादा का गांजा बरामद हुआ था। यह लोग विशाखापट्ट्नम से गांजा लाकर बिहार में सप्लाई करने वाले थे। इससे पहले पिछले साल नवंबर और अक्टूबर में भी कई-कई किलो गांजे के साथ अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है।

मकान मालिक ने किशोरी से की अश्लील हरकत बहाने आधी रात को कमरे में घुसा

आगरा । आगरा के थाना ट्रांस यमुना क्षेत्र में मकान मालिक ने किराए पर रहने वाली किशोरी के साथ छेड़छाड़ की। पुलिस कमिश्नर के आदेश के बाद मुकदमा दर्ज किया गया है। भिंड मुरैना निवासी परिवार 15 साल से कालिंदी बिहार में राकेश गुप्ता के मकान में किराए पर रह रहे हैं। वह निजी कंपनी में मजदूरी करते हैं। किराएदार का कहना है कि वह 29 जनवरी को देर रात इटावा जेल (कारागार) से छुटा था। फिरोजाबाद में ससुराल में रुक गया। 2 बेटी एक बेटा घर पर अकेले थे। आरोप है कि 29 जनवरी देर रात अनिल गुप्ता ने उनके घर का दरवाजा खटखटाया। 14 साल की बेटी से कहा कि मम्मी का फोन आया है। इस बहाने वो कमरे में घुस गया। कमरा बंद करके उसके साथ अश्लील हरकत करने लगा। जब बेटी ने शोर मचाया तो वहां से भाग गया। अगले दिन जब हम घर पहुंचे तो बेटी जोर-जोर से रोने लगी। पूछने पर उसने पूरी घटना बताई। पीड़ित का कहना है कि जब वो शिकायत लेकर थाने पहुंचे तो वहां पर मुकदमा दर्ज नहीं किया गया।

बसंत उल्लास का प्रतीकः डॉ संगीता''

शाहजहांपुर । मुमुक्षु शिक्षा संकुल के तत्वावधान में बसंत ऋतु के आगमन पर बसंतोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समाज सेविका व चिकित्सक डा. संगीता मोहन तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में कवियत्री सरिता बाजपेयी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता शंकर मुमुक्षु विद्यापीठ की प्रधानाचार्या डॉ मेघना मेहंदीरत्ता ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। डॉ प्रतिभा सक्सेना ने सरस्वती वंदना एवं लोकगीत प्रस्तुत किया। डॉ कविता भटनागर ने बसंत नृत्य प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि डॉ संगीता मोहन ने इस अवसर पर उदबोधन देते हुए कहा कि बसंत का आगमन नव उल्लास एवं प्रसन्नता के संचार का प्रतीक है। विशिष्ट अतिथि सरिता बाजपेयी ने काव्यपाठ किया। इसके अतिरिक्त एस एस एम वी के विद्यार्थियों के द्वारा गरबा नृत्य तथा स्टाफके द्वारा समूह नृत्य प्रस्तुत किया गया। एस एस एम वी की शिक्षिका अंजली मिश्रा ने लोकगीत प्रस्तुत किया। काव्या बाजपेयी, गरिमा मिश्रा, श्रद्धा मिश्रा, शुभा अग्निहोत्री, वैष्णवी गुप्ता, जया कुमार, संगीता, आकांक्षा के द्वारा भी विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई।

पुलिस अधिकारी और आपराधिक गिरोह के सदस्यों के खिलाफ अदालत के आदेश पर मुकदमा दर्ज

भदोही एजेंसी। भदोही जिले में लोगों को फर्जी मुकदमों में फंसाने वाले एक आपराधिक गिरोह के सदस्यों और एक पुलिस अधिकारी के खिलाफ अदालत के आदेश पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि साजिश के तहत एक बुजुर्ग शख्स के खिलाफ बलात्कार और दलित उत्पीड़न का फर्जी मुकदमा दर्ज किए जाने के आरोप में गिरोह के सदस्यों और एक पुलिस अधिकारी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। शहर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अश्विनी कुमार त्रिपाठी ने बुधवार को बताया कि मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सबीहा खातून ने मंगलवार को पुलिस क्षेत्राधिकारी रैंक के अफसर अजय कुमार के साथ-साथ फर्जी मुकदमा दर्ज कराने वाली पूजा और उसके साथियों आशा तथा सुनील पासी के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया था।

उन्होंने बताया कि इसका पालन करते हुए आरोपियों के खिलाफ साजिश रचने, धोखाधड़ी करने, झूठे दस्तावेज का इस्तेमाल करने, जबरन वसूली के लिए फंसाने, जालसाजी करने और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने समेत विभिन्न आरोपों में शहर कोतवाली में मंगलवार देर रात प्राथमिकी पंजीकृत करके कार्यवाही की जा रही है। त्रिपाठी ने बताया कि जिले के सुरयावा थाना क्षेत्र की रहने वाली आशा सरोज, प्रयागराज की पूजा सरोज तथा सुनील पासी का एक आपराधिक गिरोह है जो अवैध वसूली के लिए लोगों पर दलित उत्पीड़न के फर्जी मुकदमे दर्ज कराता है। इस गिरोह ने वर्ष 2021 में सुरियावा थाना क्षेत्र के ही गणेशरायपुर निवासी लक्ष्मी शंकर उपाध्याय (60) पर कक्षा पांच में पढ़ने वाली एक दलित किशोरी से बलात्कार करने और धमकी देने समेत कई गंभीर आरोपों में मुकदमा दर्ज करवाया था। उन्होंने बताया कि इस मामले की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश की अदालत में हुई थी और उपाध्याय को नौ महीनों तक जेल में रहना पड़ा था।

त्रिपाठी ने बताया कि अदालत में चली कार्रवाई में पूजा ने अपनी बेटी सुहानी को पूजा बताकर पेश किया और खुद महिमा सरोज बनकर पेश होती थी। इसके अलावा उसने अपनी बेटी के नकली अंकपत्र, प्रमाणपत्र और जाली आधार कार्ड भी अदालत में जमा किये थे। मुकदमे के विवेचक अजय कुमार पर भी इस पूरी साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया गया था। उन्होंने बताया कि एक साल तक चली अदालती प्रक्रिया के बाद अपर सत्र अदालत ने आठ सितंबर 2023 को उपाध्याय को बाइज्जत बरी करके पूजा सरोज पर आठ हजार रुपये का जुर्माना लगाया था। विवेचक अजय कुमार को भी विवेचना में गंभीर लापरवाही का दोषी मानते हुए कार्रवाई करने का आदेश दिया गया था। त्रिपाठी ने बताया कि उपाध्याय ने साजिश में शामिल होने के बावजूद विवेचक पर कोई कार्रवाई नहीं करने और फर्जी मुकदमा दर्ज होने तथा नौ महीने तक उन्हें जेल में रहने के बाद पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया था। उपाध्याय ने अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा धूमिल करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को मुकदमा दर्ज करने के लिए यह प्रार्थना पत्र दिया था। इसके बाद उन्होंने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में 12 अक्टूबर 23 को एक याचिका दायर की थी। उन्होंने बताया कि मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सबीहा खातून ने मामले की सुनवाई के बाद चार फरवरी को पुलिस अफसर अजय कुमार के साथ-साथ गिरोह के सदस्यों पूजा, आशा और सुनील पासी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया।

'स्वयम' पाठ्यक्रमों के लिए नामांकित चार प्रतिशत से भी कम छात्रों ने कार्यक्रम पूरा किया: समिति

नई दिल्ली,एजेंसी। संसद की एक समिति ने कहा है कि 'स्वयम' (एसडब्ल्यूएवाईएएम) पाठ्यक्रमों के लिए नामांकित चार प्रतिशत से भी कम छात्रों ने 2017 के बाद से कार्यक्रम पूरा किया है। समिति ने इस पाठ्यक्रम में पुरानी सामग्री, अस्थिर शिक्षण और खराब बुनियादी ढांचे सहित कई शिकायतों को रेखांकित किया है। राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह की अध्यक्षता वाली समिति ने कहा है कि शिक्षा में डिजिटल पहल इससे जुड़ाव के संदर्भ में कोई खास तब्दीली नहीं लाएगा जब तक कि केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय रोजगार के लिए सक्रिय रूप से हरसंभव सहायता नहीं करता या नियोक्ताओं को छात्रों से जोड़ने के लिए 'स्वयम' से जुड़ा कोई मंच स्थापित नहीं करता। शिक्षा, महिला, बच्चे, युवा और खेल संबंधी स्थायी समिति ने मंगलवार को राज्यसभा में 'डीम्ड, निजी विश्वविद्यालयों और अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षा मानकों, मान्यता प्रक्रिया, अनुसंधान, परीक्षा सुधार और अकादमिक वातावरण की समीक्षा' पर अपनी रिपोर्ट सौंपी। 'स्वयम' एक ऐसा मंच है जो कक्षा नौ से लेकर स्नातकोत्तर तक किसी भी समय, किसी भी स्थान पर किसी को भी पहुंच के लिए विभिन्न पाठ्यक्रमों की सुविधा प्रदान करता है। सभी पाठ्यक्रम 'इंटरैक्टिव' हैं, जो देश के सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों द्वारा तैयार किए गए हैं और किसी भी शिक्षार्थी के लिए मुफ्त उपलब्ध हैं।

समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा, ''हमारा मानना है कि राष्ट्रीय डिजिटल विश्वविद्यालय (एनडीयू), राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के लक्ष्यों के साथ समावेशी, लचीली और सस्ती शिक्षा का वादा करता है। हालांकि, इसकी नींव 'स्वयम', महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करती है। 2017 के बाद से, 4 प्रतिशत से कम नामांकित छात्रों ने 'स्वयम' पाठ्यक्रम पूरा किया है।'' समिति ने कहा, ''शिकायतों में पुरानी सामग्री, अस्थिर शिक्षण और खराब बुनियादी ढांचा शामिल है। शिक्षकों ने अपर्याप्त प्रशिक्षण, कम मुआवजे और तकनीकी बाधाओं की बात कही है, जिससे उनकी दक्षता कम हो जाती है। ऑनलाइन मॉडल में 1ः15 शिक्षक-छात्र अनुपात की अवहेलना की जाती है, जिससे वर्चुअल कक्षाओं में भीड़भाड़ बढ़ जाती है।'' इसके अतिरिक्त, 'ऑक्सफैम इंडिया 2022' के अनुसार, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के केवल 4 प्रतिशत और अन्य पिछड़ा वर्ग के 7 प्रतिशत छात्रों के पास इंटरनेट से जुड़े कंप्यूटर हैं, जो एनडीयू के 'इक्विटी' दावों पर सवाल उठाते हैं। समिति ने जोर देकर कहा कि डिजिटल पहल केवल जुड़ाव के संदर्भ में 'उदासीन प्रतिक्रिया' प्रदान करेगी जब तक कि विभाग प्लेसमेंट में सक्रिय रूप से सहायता करना शुरू नहीं करता है, जहां भी संभव हो, या नियोक्ताओं को छात्रों से जोड़ने के लिए 'स्वयम' से जुड़े एक मंच की स्थापना नहीं करता है। इसमें कहा गया है, ''समिति सिफारिश करती है कि विभाग को यह सुनिश्चित करने के लिए भी कदम उठाने चाहिए कि उम्मीदवारों द्वारा पाठ्यक्रम पूरा किया जाए, क्योंकि प्रमुख निजी ऑनलाइन मंच इससे प्रभावित होते हैं।'' इसमें कहा गया है, ''विभाग को समाज के वंचित वर्गों के छात्रों की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एक अलग प्रकोष्ठ स्थापित करने पर भी विचार करना चाहिए।

वरिष्ठ अधिवक्ता से दुर्व्यवहार के मामले में न्यायालय ने बार के अधिकारियों से पेश होने के लिये कहा

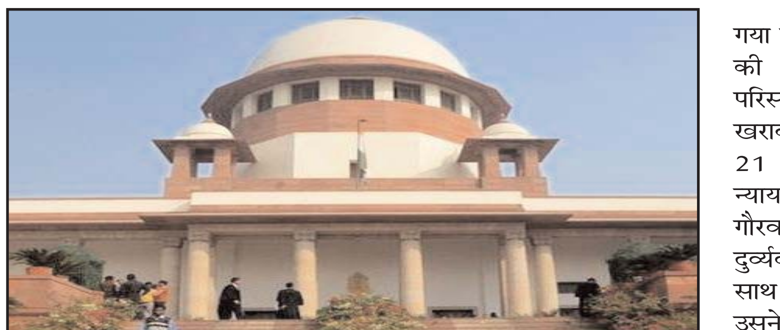

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने गौतमबुद्ध नगर जिला अदालत बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और सचिव को एक वरिष्ठ अधिवक्ता के साथ कथित दुर्व्यवहार के मामले में पेश होने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने पिछले साल 21 मार्च को दोनों पदाधिकारियों को अपने सामने पेश होने का निर्देश दिया था, लेकिन उन्होंने आदेश का पालन नहीं किया। पीठ ने चेतावनी दी कि जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों द्वारा उसके निर्देश का पालन न करने को गंभीरता से लिया जाएगा। पीठ ने कहा, ''जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन, गौतमबुद्ध नगर के अध्यक्ष और सचिव को नया नोटिस जारी किया जाए, जिसका जवाब 17 फरवरी, 2025 तक दिया जाए। नोटिस गौतमबुद्ध नगर जिला न्यायालय के रजिस्ट्रार के माध्यम से दिया जाए।'' पीठ के तीन फरवरी के आदेश में आगे कहा गया, ''नोटिस में आगे कहा जाएगा कि यदि उक्त बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और सचिव अगली सुनवाई की तारीख पर इस न्यायालय के समक्ष पेश होने में विफल रहते हैं, तो न्यायालय इस मुद्दे पर विचार करेगा और उक्त बार एसोसिएशन के संबंध में उचित आदेश पारित करेगा।'' शीर्ष अदालत ने गौतमबुद्ध नगर के जिला न्यायाधीश की रिपोर्ट पर संज्ञान लेते हुए उत्तर प्रदेश सरकार से जवाब मांगा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रखरखाव के लिए धन की कमी के कारण न्यायालय परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे खराब पड़े हैं। शीर्ष अदालत ने 21 मार्च, 2024 को जिला न्यायालय में वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया के साथ कथित दुर्व्यवहार का संज्ञान लिया था। साथ ही यह भी स्पष्ट किया था कि उसने इस घटना को लेकर कोई गंभीरता नहीं दिखाई है और इस तथ्य को भी नजरअंदाज किया है कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों की अब तक पहचान नहीं हो पाई है। न्यायालय ने जिला न्यायाधीश अमित सक्सेना द्वारा दाखिल रिपोर्ट पर भी संज्ञान लिया, जिसमें कहा गया है कि जिला न्यायालय परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे खराब हैं और घटना की फुटेज नहीं मिल पाई है।

अनुशासनात्मक कार्यवाही में सिर्फ संभावनाओं की प्रबलता दिखाने की जरूरत : न्यायालय

नई दिल्ली । उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि सरकारी नियोक्ताओं को दोषी कर्मचारी को बर्खास्त करने के लिए अनुशासनात्मक कार्यवाही के दौरान कदाचार साबित करने के लिए केवल ÷संभावनाओं की प्रबलता÷ दिखाने की आवश्यकता है, जो कि आपराधिक मुकदमों में आवश्यक ÷उचित संदेह से परे÷ मानक से कम कठोर पैमाना है। न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने चार फरवरी को पारित आदेश में कलकत्ता उच्च न्यायालय के मार्च 2012 के एक फैसले को रद्द कर दिया, जिसके तहत भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के पूर्व सहायक अभियंता (सिविल) प्रदीप कुमार बनर्जी की बर्खास्तगी को पलट दिया गया था। शीर्ष अदालत ने संबंधित आपराधिक मामले में बरी किए जाने के बावजूद एएआई के पूर्व इंजीनियर की बर्खास्तगी को बरकरार रखा। न्यायालय ने कहा कि आपराधिक मुकदमों के विपरीत, जिनमें मामलों को उचित संदेह से परे साबित करना होता है, संबंधित अनुशासनात्मक जांच में पैमाना सीमित था। यह फैसला सरकारी नियोक्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण हथियार साबित हो सकता है, जो अनुशासनात्मक कार्यवाही के तहत कदाचार के दोषी कर्मचारियों को सेवा से बर्खास्त कर सकते हैं, फिर चाहे संबंधित आपराधिक मामलों में उन्हें बरी ही क्यों न कर दिया गया हो। सर्वोच्च अदालत ने एएआई के हक में फैसला सुनाते हुए कहा कि बनर्जी के खिलाफ की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई जायज थी। न्यायमूर्ति मेहता की ओर से लिखे गए 28 पन्ने के फैसले में कहा गया है, ÷कानून का यह स्थापित सिद्धांत है कि आपराधिक मुकदमे में अभियोजन पक्ष पर मामले को उचित संदेह से परे साबित करने का बोझ होता है। हालांकि, अनुशासनात्मक जांच में विभाग पर सीमित बोझ रहता है और उसे संभावनाओं की प्रबलता के सिद्धांत पर अपना मामला साबित करना होता है। न्यायालय ने कहा कि उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने ÷आपराधिक मुकदमे में आवश्यक सबूत के मानक को नियोक्ता की ओर से की गई अनुशासनात्मक जांच में लागू करने की गंभीर त्रुटि की।

एक नजर

रोजगार के लिए लीबिया गए 18 भारतीय स्वदेश लौटे

नई दिल्ली। लीबिया के बेन्गाज़ी में रोजगार के लिए गए 18 भारतीय नागरिक भारतीय दूतावास की मदद से आज स्वदेश लौट आए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 'एक्स'पर एक पोस्ट में जानकारी दी थी कि लीबिया में भारतीय दूतावास ने लीबिया के बेन्गाज़ी से 18 भारतीय नागरिकों की वापसी की सुविधा प्रदान की है और वे बुधवार को भारत पहुंचेंगे।
श्री जायसवाल ने कहा कि ये भारतीय लीबिया में रोजगार के लिए गए थे और कई हफ्तों से फंसे हुए थे। दूतावास ने स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम किया और आवश्यक प्राधिकार और यात्रा दस्तावेज उपलब्ध कराने में भारतीय श्रमिकों की सहायता की।
उन्होंने कहा कि जबकि उनके मामले को देखा जा रहा था, दूतावास उनकी भलाई सुनिश्चित करने के लिए उनके साथ लगातार संपर्क में रहा और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में उनकी सहायता की। इसी समूह के तीन अन्य भारतीय नागरिक दूतावास की सहायता से पिछले अक्टूबर में भारत लौटे थे। भारतीय दूतावास ने लीबिया के अधिकारियों को उनके समर्थन और सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया है।

खरगे, राहुल ने आगा खां चतुर्थ के निधन पर दुख जताया

नई दिल्ली । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस्माइली शिया मुसलमानों के आध्यात्मिक नेता आगा खां चतुर्थ के निधन पर बुधवार को दुख जताया और मानवीय उद्देश्यों के लिए किए उनके कार्यों को याद किया। आगा खां चतुर्थ का मंगलवार को निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आगा खां, मौलाना शाह करीम अल-हुसैनी के निधन पर गहरा दुख हुआ। वह एक दूरदर्शी आध्यात्मिक नेता थे जो मानवीय उद्देश्यों, विशेष रूप से स्वास्थ्य, शिक्षा, संस्कृति, ग्रामीण विकास, संस्था-निर्माण और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए समर्पित थे। उनके परिवार और चाहने वालों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।'' कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''मानवता, शिक्षा और प्रगति के लिए समर्पित एक दूरदर्शी नेता, आगा खां, मौलाना शाह करीम अल-हुसैनी के निधन से दुखी हूं। उनके परिवार और भारत व दुनिया भर में इस्माइली शिया मुस्लिम समुदाय के प्रति मेरी गहरी संवेदना है।''

देश को गाली देने के लिए ही राहुल गांधी विपक्ष के नेता बने हैं : गिरिराज सिंह

बेगूसराय। केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तंज कसते हुए बुधवार को कहा कि वह ÷देश को गाली देने के लिए÷ ही विपक्ष के नेता बने हैं। बेगूसराय में पत्रकारों से चर्चा के दौरान स्थानीय सांसद ने कहा कि अब उन्हें %मेक इन इंडिया% दिखाई ही नहीं दे रहा है, तो क्या किया जाए। उन्होंने कहा कि देश अब %मेक इन इंडिया% से %मेकिंग फॉर वर्ल्ड% की ओर जा रहा है। रक्षा में जहां हम आयात करते थे, आज निर्यात कर रहे हैं। निर्यात बढ़कर अब 90 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, यह %मेक इन इंडिया% का कमाल है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में आप के नेता अरविंद केजरीवाल के 55 सीट जीतने के दावे पर केंद्रीय मंत्री ने कटाक्ष करते हुए कहा, ÷केजरीवाल दिल्ली विधानसभा की 70 में से 90 सीट जीतने का दावा नहीं कर रहे हैं? वह हताशा में हैं और हार रहे हैं। आखिर 55 क्यों कह रहे हैं? वह तो 62 सीट जीते हुए थे। इसका मतलब है कि उनकी हालत खराब है। वह हार चुके हैं। उनकी सरकार नहीं आने वाली है, इसलिए हताशा में ऐसी बात कर रहे हैं। गिरिराज सिंह ने कहा कि दिल्ली में गरीबों को छला गया, पूर्वांचल एवं बिहार-उत्तर प्रदेश के लोगों के साथ छलावा किया गया।

भाकपा (माले) लिबरेशन के सांसद ने भारतीयों के निर्वासन के मामले में विदेश मंत्री को पत्र लिखा

नई दिल्ली । भाकपा (माले) लिबरेशन के सांसद राजा राम सिंह ने अमेरिका में भारतीयों के हितों की रक्षा के लिए केंद्र से हस्तक्षेप करने की मांग की है और संदिग्ध अवैध प्रवासियों के निर्वासन पर अपना रुख स्पष्ट करने का आग्रह किया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर को लिखे पत्र में बिहार के काराकाट से सांसद सिंह ने कहा कि 'अवैध' करार दिए गए 18,000 प्रवासियों को वापस लेने का अमेरिका को आश्वासन देना एक खतरनाक मिसाल कायम करता है। सिंह ने चार फरवरी को लिखे पत्र में कहा, ''अमेरिका में प्रवास के ऐतिहासिक और आर्थिक संदर्भ को देखते हुए यह घटनाक्रम बेहद विडंबनापूर्ण है। भारतीय पेशेवर और कर्मचारी अमेरिकी निगमों के लिए नवाचार, विकास और लाभप्रदता को आगे बढ़ाने में, खासकर आईटी, स्वास्थ्य सेवा और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''यह विडंबना है कि अमेरिकी कंपनियों और अर्थव्यवस्था ने आव्रजन के बल पर ही खूब तरक्की की है और मुनाफा कमाया है।'' सिंह ने कहा, ''जब से अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शपथ ली है, प्रवासियों के खिलाफ एक तरह की नफरत देखने को मिली है। उनके चुनावी भाषण और अमेरिकी जनता से किए गए वादे प्रवासी विरोधी नफरत से भरे हुए थे, खासकर एच-1बी वीजा और भारतीयों को प्रभावित करने वाले अन्य मुद्दों पर।''

विभिन्न कोचिंग संस्थानों द्वारा याचिकाएं दायर की गई थीं, जिसमें दिल्ली सरकार को सितंबर 2019 की

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि सरकार का कल्याण विभाग अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यकों के लिए 'जय भीम मुख्यमंत्री प्रतिभा विकास योजना' के तहत कोचिंग संस्थानों को भुगतान के मुद्दे को हल करने के लिए कदम उठा रहा है।

न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने कहा कि याचिकाकर्ता कोचिंग संस्थानों में से प्रत्येक को विभाग के विशेष सचिव द्वारा सुनवाई का अवसर दिया जाना चाहिए और उचित सत्यापन के बाद उनकी तय राशि जारी करने पर निर्णय लिया जाना चाहिए।

अदालत ने कहा, ''यह आशा और अपेक्षित है कि डीएससीएसटी याचिकाकर्ताओं की शिकायतों को हल करने और यह सुनिश्चित करने के लिए शीघ्र कदम उठाएगा कि योजना का उद्देश्य कमतर न हो।'' इसके साथ ही अदालत ने कोचिंग संस्थानों द्वारा दायर याचिकाओं का निपटारा कर दिया। यह आदेश 28 जनवरी को पारित किया गया और तीन फरवरी को उपलब्ध कराया गया। विभिन्न कोचिंग संस्थानों द्वारा याचिकाएं दायर की गई थीं, जिसमें दिल्ली सरकार को सितंबर 2019 की 'जय भीम मुख्यमंत्री प्रतिभा विकास योजना' के उचित कार्यान्वयन के निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। इस योजना की शुरुआत उपर्युक्त श्रेणियों से संबंधित आर्थिक रूप से कमजोर उम्मीदवारों को गुणवत्तापूर्ण कोचिंग प्रदान करने के लिए की गई थी ताकि वे विभिन्न सरकारी सेवाओं में चयन के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हो सकें।

दिल्ली सरकार के 2019 के आदेश ने कोचिंग की अवधि और कोचिंग शुल्क की अधिकतम सीमा तय की, जिसके लिए कोचिंग संस्थान प्रति उम्मीदवार हकदार होगा। इस योजना के तहत, सरकार ने संबंधित कोचिंग संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओए) किया। एमओए के एक खंड में कहा गया है कि पाठ्यक्रम शुल्क का 50 प्रतिशत और पाठ्यक्रम के लिए पूरा वजीफा उम्मीदवारों के नामांकन और उनके विवरण प्राप्त होने के बाद संस्थानों को जारी किया जाएगा।

पर्यटक हब बन चुका है,आटरामपुर गांव आटरामपुर पंचायत भवन विकास की अलग गाथा लिख रहा है

बिजली बोर्ड ने दी सुक्खू सरकार के खिलाफ बड़े आंदोलन की चेतावनी

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड के कर्मचारि?यों और अभियंताओं के ज्वॉइंट फ्रंट ने अपनी कमेटी को और विस्तार देते हुए हिमाचल प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड कर्मचारी, अभियंता और पेंशनर्स की ज्वाटइंट एक्शन कमेटी का गठन किया है। नए गठन के बाद हिमाचल प्रदेश बिजली बोर्ड ने राज्य सरकार के खिलाफ निर्णायक लड़ाई का मन बना लिया है। ज्वॉइंट फ्रंट ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली सरकार के ख?िलाफ बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है। ज्वॉइंट फ्रंट के सह संयोजक हीरा लाल वर्मा ने शिमला में कहा कि अब बिजली बोर्ड को रेशनलाइजेशन के नाम पर खत्म करने का काम किया जा रहा है। कर्मचारी रेशनलाइजेशन के विरोध में नहीं है, बल्कि वे चाहते हैं कि सभी के साथ बैठकर इसका फैसला हो। उन्होंने कहा कि कमरे में बैठकर इस तरह के फैसले नहीं लिए जा सकते। बिजली बोर्ड हिमाचल प्रदेश के करीब 30 लाख उपभोक्ताओं को सेवाएं देता है। ऐसे में अगर बिजली बोर्ड के साथ छेड़छाड़ की जाएगी, तो इससे आम लोग भी परेशान होंगे। सह संयोजक हीरा लाल वर्मा ने कहा कि हाल ही में बिजली बोर्ड के 700 पदों को खत्म किया गया है। मुख्यमंत्री की ओर से भी इसकी अनुमति दे दी गई है। बिजली बोर्ड को बैक गियर में डाल दिया गया है। इससे कर्मचारियों का भी मनोबल गिर रहा है। कर्मचारी और पेंशनर बिजली बोर्ड से छेड़छाड़ सहन नहीं करेंगे। आज राज्य सरकार के खिलाफ कर्मचारी और पेंशनरों में रोष है। बिजली बोर्ड में नई भर्ती नहीं की जा रही है। राज्य सरकार कोशिश कर रही है कि यहां आउटसोर्स के आधार पर ही काम हो।

हीरालाल वर्मा ने कहा कि बिजली बोर्ड को नुकसान में दिखाने की कोशिश की जा रही है, जबकि बिजली बोर्ड नुकसान में नहीं है। इसी तरह बिजली बोर्ड को मिलने वाली सब्सिडी का भी वक्त पर भुगतान नहीं हो रहा है। इसकी वजह से कर्मचारी और पेंशनर परेशान हो रहे हैं। आने वाले वक्त में ज्वॉइंट फ्रंट बड़े आंदोलन से पीछे नहीं हटेगा। अगर पेंशनर सड़क पर नहीं उतर सकता, तो उनके परिवार के लोग सड़कों पर उतरेंगे और बिजली बोर्ड के कर्मचारी भी राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे।

एजेंसी।
प्रयागराज। 73वे संविधान संशोधन, 1992 द्वारा पंचायतों को सशक्त बनाने का प्रयास किया गया, मगर अभी भी आधारभूत संरचना में ग्रामीण भारत बहुत पीछे है। प्रयागराज से महज 20 किलोमीटर दूर और लखनऊ-प्रयागराज हाइवे से 3 किलो मीटर दूर कौड़ीहार ब्लाक अंतर्गत आटरामपुर उर्फ नवाबगंज गांव में महिला ग्राम पंचायत विकास अधिकारी (सचिव) और प्रधान की सोच से एक ओर जहां ग्रामीणों को आधुनिक पंचायत भवन मिला तो वही दूसरी ओर सचिव और ग्राम प्रधान का नवाचार अन्य ग्राम पंचायतों के लिए नजीर साबित हो

यहां महानगरों की तर्ज पर शेल्फी पॉइंट (आई लव आटरामपुर) और कलात्मक, आकर्षक रूप से लान बनाते हुए एक सजावटी हिरण रखा गया है,जो बरबस ही अपनी ओर आकर्षित कर लेता है।

रहा है।
क्यों है सबसे अलग ः साल 2021 में बने शहीद चंद्रशेखर आजाद नाम के इस पंचायत भवन (ग्राम संसद) की खासियत इसे दूसरे पंचायत भवनों से अलग करता है। यहां महानगरों की तर्ज पर शेल्फी पॉइंट (आई लव आटरामपुर) और कलात्मक, आकर्षक रूप से लान बनाते हुए एक सजावटी हिरण रखा गया है,जो बरबस ही अपनी ओर आकर्षित कर लेता है। साथ ही पंचायत भवन के सामने का हिस्सा कलात्मक टाइल्स से सजाया गया है। अन्दर सचिव, प्रधान, पंचायत सहायक के लिए अलग, अलग अत्यंत सुविधायुक्त सुसज्जित चैंबर बनाया गया है, और आधुनिक संसाधन, सुविधा से युक्त एक बड़ा सभागार भी मौजूद है। इसी परिसर के अंदर अमृत वाटिका, अमृत सरोवर, सामुदायिक शौचालय भी मौजूद है जो कि इसे अन्य गांवों से अलग करता है। आकर्षण का केंद्र होने के कारण स्थानीय लोग यहां पिकनिक मनाने आते है। इस बावत ग्राम प्रधान राजाराम मौर्य कहते है कि मेरी इच्छा थी कि गांव का पंचायत भवन अत्याधुनिक, अच्छा और आकर्षण का केंद्र बने, मूर्त रूप देने के लिए मैने शहर की रहने वाली तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी अंकिता सिंह को जिम्मेदारी सौंप दी। उन्होंने इंटरनेट से सहारा लेकर अच्छे-अच्छे मॉडल खोजे, जिसमें से एक आप सभी के सामने है। क्या बोली पंचायत सचिव- समाज शास्त्र में परा स्नातक तत्कालीन सचिव अंकिता सिंह ने बताया कि मैं शहर की रहने वाली हूं, मगर मन पूरी तरह से गांव में रमा है। जब मुझे गांव में काम करने का मौका मिला तो
ख्याल आया कि क्यों न शहरों जैसी आधुनिक बिल्डिंग गांव में विकसित की जाए, पंचायत भवन को बेहतर बनाने के लिए लगातार मैने इंटरनेट से मदद ली। आमतौर पर सरकारी बिल्डिंग भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती है, मगर यहां स्थित जुदा है। इस मुद्दे पर अंकिता सिंह कहती है पिता भूपेंद्र सिंह के दिए संस्कार और पति रवींद्र सिंह द्वारा मिलने वाले सहयोग से गांव को सजाने, संवारने का सपना साकार हो गया। अधिकारी और ग्रामीण है खुशः पंचायत भवन में अनूठा, आधुनिक नवाचार होने से सभी पंचायत भवनों से यहां की स्थित अलग हो गई। इससे यहां कई बार दौरे पर आए जनपद स्तरीय अधिकारियों ने जहां वाह किया वही दूसरी ओर ग्रामीण भी तारीफों के पुल बांध रहे है ।

25,000 आदिवासी महाकुंभ में लगाएंगे डुबकी, धर्म की रक्षा का लेंगे संकल्प :सेवा प्रकल्प संस्थान

नई दिल्ली । आदिवासी समुदायों के करीब 25 हजार श्रद्धालु उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ के दौरान संगम में पवित्र डुबकी लगाएंगे तथा अपने धर्म, संस्कृति और परंपराओं की 'रक्षा' करने की शपथ लेंगे। अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम (एबीवीकेए) से संबद्ध एक संस्था ने बुधवार को यह जानकारी दी। सेवा प्रकल्प संस्थान ने बताया कि वनवासी कल्याण आश्रम ने छह फरवरी से 10 फरवरी तक महाकुंभ में आदिवासी समुदायों के भक्तों की एक ''विशाल सभा'' का आयोजन किया है। अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संबद्ध सबसे पुराने संस्थाओं में से एक है। सेवा प्रकल्प संस्थान के सचिव सलिल नेमानी ने एक बयान में कहा, ''प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में, वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा छह फरवरी से 10 फरवरी तक एक भव्य आदिवासी सभा का आयोजन किया जा रहा है।'' उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक समागम में देश भर से करीब 25,000 आदिवासी श्रद्धालु शामिल होंगे और अपने धर्म, संस्कृति और परम्पराओं की रक्षा का संकल्प लेंगे। आरएसएस से संबद्ध संस्था ने कहा कि सात फरवरी को आदिवासी संतों और श्रद्धालुओं की भव्य 'शोभा यात्रा' आयोजित की जाएगी। बयान में कहा गया है कि बड़ी संख्या में आदिवासी श्रद्धालु अपने पारंपरिक परिधान में 'शोभा यात्रा' में भाग लेंगे और पवित्र स्नान के लिए संगम पहुंचेंगे। सेवा प्रकल्प संस्थान ने बताया, ''देश भर से विभिन्न जनजातियों के 150 नृत्य दल इस जनजातीय समागम में हिस्सा लेंगे और अपने पारंपरिक नृत्य और संगीत का प्रदर्शन करके पूरी दुनिया को 'तू मैं एक रक्त' का संदेश देंगे।''

हमें अपने गौरवशाली इतिहास को संजोने की जरूरत: प्रोफेसर पूनम टंडन

संवाददाता।

गोरखपुर । दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग द्वारा हीरक जयंती वर्ष पर पुरातन छात्र सम्मेलन का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने कहा कि हमारे पुरातन छात्र हमारी विरासत है. इस विरासत को समझने का ही उपक्रम है पुरातन छात्र सम्मेलन. हीरक जयंती वर्ष में पुरातन छात्र सम्मेलन की भूमिका और महत्वपूर्ण हो जाती है. हीरक जयंती वर्ष हमारे सुनहरे इतिहास का गवाह है. मध्यकालीन इतिहास विभाग का यह आयोजन निश्चय ही विभाग के संवर्धन एवं विकास में मिल का पत्थर साबित होगा. उन्होंने कहा कि हमें अपने गौरवशाली इतिहास को समझने की जरूरत है. इतिहास विभाग के पुरातन छात्र एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ. बालमुकुंद पांडेय अपने छात्र जीवन को याद करते हुए भाव विभोर हो गए. उन्होंने अपनी गुरुओं की स्मृति को प्रणाम किया और कहा कि मैं इतिहास विभाग के बहुआयामी विकास के लिए वचनबद्ध हूं. इतिहास विभाग मेरा अपना परिवार है. यह जब भी मेरी जरूरत महसूस करेगा मैं सहयोग के लिए हाजिर रहूंगा. मैंने कहा के इतिहास विभाग को समृद्ध करने हेतु देश दुनिया से संसाधन जुटाने में हर संभव प्रयास करूंगा. इतिहास विभाग के दूसरे पुरातन छात्र एवं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. चंद्र प्रकाश त्रिपाठी ने अपनी स्मृतियों को साझा किया और कहा कि मेरे जीवन की सुंदरतम थाती में से एक गोरखपुर विश्वविद्यालय और उसका इतिहास विभाग है. उन्होंने यह भी कहा कि मुझे जब भी इतिहास विभाग बुलाएगा मैं आऊंगा और सहयोग करूंगा. बुलावा नहीं भी होगा तो भी जब गोरखपुर आऊंगा, तो इतिहास विभाग आऊंगा और मुझसे जो बन पड़ेगा विभाग के लिए करूंगा. इस अवसर पर इतिहास विभाग के विद्यार्थियों द्वारा लगभग 200 से अधिक पोस्टर्स की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसका उद्घाटन कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने किया. यह प्रदर्शनी गोरखपुर और गोरखपुर विश्वविद्यालय के गौरवशाली इतिहास पर केंद्रित रही. इतिहास विभाग द्वारा पुरातन छात्र परिषद का भी गठन किया गया, जो आगामी वर्षों में निरंतर पुरातन छात्र सम्मेलन को आयोजित करता रहेगा. इतिहास विभाग ने इस नवगठित परिषद के संविधान का भी निर्माण किया है, जिसका विमोचन कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन की अध्यक्षता में समारोहपूर्वक संपन्न हुआ.

इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मनोज कुमार तिवारी ने सभी पुरातन छात्रों का अभिनन्दन करते हुए उनसे विभाग से जुड़े रहने की अपील की। विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर हिमांशु चतुर्वेदी ने पुरातन छात्र परिषद की महत्ता पर चर्चा की। प्रोफेसर चतुर्वेदी ने पुरातन छात्र परिषद के संविधान की नियमावली को बताते हुए उसकी उपयोगिता पर बात की। वरिष्ठ प्रोफेसर प्रोफेसर निधि चतुर्वेदी द्वारा आभार ज्ञापन के साथ ही कार्यक्रम का समापन हुआ। इस दौरान कार्यक्रम में डॉ. श्वेता, डॉ. सुनीता, डॉ. आशीष कुमार सिंह समेत बड़ी संख्या में शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दिशा छात्र संगठन ने गोरखपुर विश्वविद्यालय में चलाया सदस्यता अभियान

संवाददाता।

गोरखपुर। दिशा छात्र संगठन द्वारा आज गोरखपुर विश्वविद्यालय में सदस्यता डेस्क लगाया गया। इस दौरान छात्रों को सदस्यता दी गई और उन्हें दिशा के उद्देश्य और लक्ष्य से परिचित कराया गया।

सदस्यता अभियान के दौरान छात्रों से बात की गई कि विश्वविद्यालय में चुनावबाज पार्टियों के छात्र संगठन छात्रों के वास्तविक मुद्दे को कभी नहीं उठाएंगे। गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थिति देखी जाए तो प्रोफेसरों की बेहद कमी है जो प्रोफेसर हैं भी तो वह नियमित क्लास लेने की जगह रिसर्च स्कॉलर को क्लास में पढ़ाने के लिए भेज देते हैं । विश्वविद्यालय की बिल्डिंग खस्ता हाल है, शौचालय बुरी तरीके से गंदे हैं उनकी साफ सफाई नहीं होती है। पिछले दिनों एबीवीपी के कार्यक्रम के लिए गोरखपुर विश्वविद्यालय को चार से पांच दिनों के लिए बंद कर दिया गया था लेकिन लंबे समय से विश्वविद्यालय में अनुशासन के नाम पर अन्य संगठनों के किसी भी गतिविधि पर रोक लगा दी जाती है। छात्र संगठन का चुनाव काफी समय से बन्द है। पुस्तकालय में नई किताबें और लैब में प्रयोगशाला के लिए अलग-अलग इंस्ट्रूमेंट पता ना कब के आए हुए हैं । छात्रों को बताया गया कि 'दिशा छात्र संगठन' एक स्वतंत्र छात्र संगठन है जो किसी भी चुनावबाज पार्टी से जुड़ा नहीं है। जो भगत सिंह के आदर्शों को मानता और उनके सपनों को पूरा करने के लिए संकल्पबद्ध है।

'दिशा छात्र संगठन' का दूरगामी नारा है- सबके लिए समान व निऱ्शुल्क शिक्षा और पक्के रोज़गार की गारंटी% ! गोरखपुर विश्वविद्यालय की ऊपर दिए गए विभिन्न समस्याओं के लिए, कैंपस में जनवादी, सांस्कृतिक और राजनीतिक माहौल के लिए संघर्ष करना है । सदस्यता अभियान में आकाश, अंबरीश, विनय, प्रसेन, धर्मराज, प्रीति आदि शामिल रहे।

गसांसद राकेश राठौर की नियमित जमानत याचिका खारिज, हाईकोर्ट में करेंगे अपील

लखनऊ । दुष्कर्म के मामले में आरोपी सीतापुर के कांग्रेस सांसद राकेश राठौर की नियमित जमानत याचिका एमपी एमएलए कोर्ट ने खारिज कर दी है। अब वो हाईकोर्ट में अपील करेंगे। कांग्रेस सांसद राकेश राठौर की नियमित जमानत याचिका को एमपी एमएलए कोर्ट ने खारिज कर दिया है। बता दें कि सांसद राकेश राठौर पर 17 जनवरी को दुष्कर्म का केस दर्ज हुआ था। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा है। वह जिला कारागार में निरुद्ध हैं। उनकी ओर से अधिवक्ता ने जिला जज की कोर्ट में नियमित जमानत याचिका दाखिल की थी। जिला जज ने याचिका को एडीजे एमपी एमएलए दिनेश नागर की कोर्ट में स्थानांतरित किया था। इस पर मंगलवार और बुधवार को बहस हुई। बुधवार को कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी। अब हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे सांसद जमानत याचिका खारिज होने के बाद सांसद राकेश राठौर अब हाईकोर्ट में अपील करेंगे।

फास्ट फॉरवर्ड

जिला जेल से पाकिस्तानी कैदी रिहा,कड़ी सुरक्षा में दिल्ली रवाना

गोरखपुर। जिला कारागार में बंद पाकिस्तानी कैदी मो. मसरूफ उर्फ गुड्डू की रिहाई की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। बुधवार सुबह नौ बजे बहराइच एलआईयू (स्थानीय अभिसूचना इकाई) की टीम उसे कड़ी सुरक्षा में लेकर दिल्ली रवाना हो गई। वहां उसे पाकिस्तानी दूतावास को सौंपा जाएगा। सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद सात फरवरी को उसे अटारी बार्डर पर पाकिस्तानी अधिकारियों को सौंप दिया जाएगा। कराची, पाकिस्तान के रहने वाले मो. मसरूफ को 2008 में बहराइच पुलिस ने जासूसी, देशद्रोह, जालसाजी और साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया था। 2013 में उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। 2015 में वाराणसी सेंट्रल जेल भेजा गया, लेकिन जेल में कैदियों को उकसाने और विद्रोह की साजिश रचने के कारण 2019 में गोरखपुर जेल स्थानांतरित किया गया। यहां उसे हाई-सिक्योरिटी बैरक में रखा गया था। अब उसकी सजा पूरी होने के बाद भारत सरकार ने उसे रिहा करने का फैसला किया है।गृह मंत्रालय के अनुसार, रिहा किए जा रहे पाकिस्तानी कैदियों के खिलाफ अब कोई लंबित मामला नहीं है। संबंधित राज्य सरकारों ने उनकी रिहाई को मंजूरी दे दी है। कैदियों को उनके दस्तावेज और पहचान पत्र के साथ सुरक्षित और व्यवस्थित स्थिति में सौंपा जाएगा। राज्य सरकारों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि उन्हें अटारी बॉर्डर तक सुरक्षित पहुंचाया जाए। गोरखपुर जेल में बंद मो. मसरूफ के अलावा, गुजरात की भुज जेल में कैद खादम हुसैन तैमूर और राजस्थान की अलवर जेल में बंद नंदलाल को भी रिहा किया जाएगा। ये तीनों कैदी 7 फरवरी को अटारी बॉर्डर पर पाकिस्तानी अधिकारियों को सौंपे जाएंगे।जेल अधीक्षक दिलीप पांडेय ने कहा कि बहराइच एलआइयू की टीम ने जेल प्रशासन और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर पूरी प्रक्रिया को अंजाम दिया। अब दिल्ली में उसकी आगे की औपचारिकताएं पूरी कर उसे अटारी बार्डर पर भेजा जाएगा।

शासकीय तंत्र की मिलीभगत से पुलिस प्रशासन ने सत्याग्रहियों को किया गुमराहः शैलेंद्र मिश्रा

गोरखपुर। तीसरी आंख मानवाधिकार द्वारा लोक निर्माण विभाग गोरखपुर में कैग रिपोर्ट आधारित भ्रष्टाचार के विरुद्ध वर्ष 2021 में मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश को संबोधित 37 बिंदुओं का ज्ञापन देते हुए मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग गोरखपुर के कार्यालय पर सत्याग्रह प्रचलित किया गया। उक्त प्रचलित सत्याग्रह संकल्प के 1303 दोनों के उपेक्षा के उपरांत पूर्व सूचना के अनुरूप, सत्याग्रही डा0 संपूर्णानंद माल के नेतृत्व में दिनांक 4 फरवरी 2025 को अहिंसात्मक आंदोलन के पुरोधा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी टाउन हॉल गोरखपुर स्थित प्रतिमा पर नमन और माल्यार्पण करते हुए 5 फरवरी 2025 को मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश लखनऊ कार्यालय के समक्ष सत्याग्रह प्रचलित करने हेतु संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार मिश्रा, वरिष्ठ समाजसेवी एवं पूर्वांचल गांधी डॉक्टर संपूर्णानंद, वरिष्ठ कार्यकर्ता वीरेंद्र कुमार वर्मा, शशिकांत, राजेश्वर पांडे, जिला महामंत्री रामचंद्र दुबे, महानगर अध्यक्ष संतोष कुमार गुप्ता, नरसिंह निषाद और अन्य कार्यकर्तागण का एक प्रतिनिधि मंडल पूर्वाह्न 11ः00 बजे जीपीओ पार्क वीडियो पार्क लखनऊ स्थित लखनऊ स्थित महात्मा गांधी प्रतिमा पर सत्याग्रह आरंभ से पूर्व इंस्पेक्टर हजरतगंज थाना महोदय के निर्देशन में पुलिस कर्मियों द्वारा शासकीय तंत्र से वार्ता हेतु आस्वस्थ कर प्रदर्शन से वंचित करते हुए, सचिवालय पुलिस चौकी इंचार्ज द्वारा सत्याग्रहियों को सस्सम्मान अपनी अभिरक्षा में ले लिया गया। जिसके परिणाम स्वरुप सत्याग्रही आंदोलन करने के करने के अधिकारों से वंचित कर दिवस स्वप्न दिखाई रहे की प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग से वार्ता करते हैं और लगभग सायं 4ः00 बजे कपटपूर्ण तरीके से मिलने का समय मिल गया है कहां गया कि सचिन से मिलने का समय मिल गया है, और सचिव कहते हुए प्रमुख अभियंता उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग कार्यालय ले जाकर कपट पूर्ण तरीके से प्रमुख अभियंता विभागाध्यक्ष से मुलाकात कराया गया। मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश संबोधित ज्ञापन पर प्रमुख अभियंता विभागाध्यक्ष द्वारा आरोपी अभियंताओं के समकक्ष मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग गोरखपुर को कैग रिपोर्ट आधारित भ्रष्टाचार पर अनाधिकृत रूप से जांच करने हेतु मेल कर जांच करने हेतु मुख्य सचिव संबोधित ज्ञापन 5 अक्टूबर 2021 पर अनधिकृत रूप से टिप्पणी अंकित कर आधिकारिक जानकारी लिखित रूप में दिया गया। जो सत्याग्रहियों को संतोषजनक व स्वीकार्य योग्य नहीं था। जिस पर सत्याग्रहियों के प्रतिनिधिमंडल ने पुनः पूर्व सूचना के अनुरूप मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन के समक्ष सत्याग्रह करने के लिए उपस्थित होंगे। जिसकी दूरभाष पर सूचनाएं स्थानीय अन्वेषण विभागों के लोक सेवकों द्वारा मोबाइल नंबरों पर उनके द्वारा किए गए वार्ता के दौरान दिया।

एम्स गोरखपुर में 8 किलो के दुर्लभ ट्यूमर का सफल ऑपरेशन

गोरखपुर, 5 फरवरी - एम्स गोरखपुर के सर्जरी विभाग ने 75 वर्षीय मरीज की पीठ से 8 किलो के विशालकाय सारकोमा ट्यूमर को सफलतापूर्वक हटाकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। मरीज को कई अस्पतालों ने उच्च जोखिम के कारण ऑपरेशन से मना कर दिया था, लेकिन प्रो. डॉ. गौरव गुप्ता और उनकी टीम ने जटिल सर्जरी को अंजाम दिया। करीब तीन घंटे चले इस ऑपरेशन में एनेस्थीसिया विभाग की भी अहम भूमिका रही। मरीज की स्थिति स्थिर है, और जल्द स्वस्थ होने की उम्मीद है। एम्स गोरखपुर की इस सफलता ने इसे जटिल सर्जरी के लिए एक नई पहचान दी है।

दवाओं के अन्वेषण में हो रहे हैं नए प्रयोग : डॉ. रामा द्विवेदी

महायोगी गोरखनाथ विवि में दवा अनुमोदन प्रक्रिया और कैंसर के बचाव पर हुआ विशेष व्याख्यान

जेनेरिक और ब्रांडेड दवाओं में होते हैं समान तत्व : डॉ. रामा द्विवेदी

संवाददाता।

गोरखपुर । जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय, वाशिंगटन डीसी, यूएसए के प्रो. (डॉ.) रामा एस. द्विवेदी ने कहा कि वर्तमान दौर में दवाओं के अन्वेषण में नए प्रयोग हो रहे हैं। फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) की तरफ से इस पर खासा जोर दिया जा रहा है।

डॉ. रामा बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के पंचकर्म सभागार में 'दवा अनुमोदन प्रक्रिया और कैंसर' विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे। दवा अनुमोदन प्रकिया पर अपना अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन में अन्वेषकीय दृष्टि से अनंत चुनौतियां और संभावनाएं हैं। उच्च स्तरीय गुणवत्ता के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नोबेल पुरस्कार से सम्मानित वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में दवाओं पर शोध कार्य किया गया है जिससे दवाओं और वैक्सीन के अच्छे परिणाम आए हैं। यूएस एफडीए के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए डॉ. रामा ने दवा विकास के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने जेनेरिक और ब्रांडेड दवाओं के बारे महत्वपूर्ण जानकारी साझा करते हुए बताया कि दोनों प्रकार की दवाओं में समान तत्व होते हैं और वे समान औषधीय प्रभाव दिखाते हैं। हालांकि, जेनेरिक दवाएं ब्रांड नाम वाली दवाओं की तुलना में सस्ती होती हैं। डॉ. रामा ने एफडीए द्वारा दवा अनुमोदन की प्रक्रिया को भी विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि एफडीए कर्मचारी दवाओं की सुरक्षा और प्रभावशीलता का मूल्यांकन करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का भी समाधान किया। व्याख्यान में डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने सामान्य कैंसर, स्तन कैंसर, मुंह के कैंसर और ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) का परिचय दिया। डॉ. अनुराग ने कैंसर के प्रभाव उसके उपचार और रोकधाम पर सभी का मार्गदर्शन किया। अतिथि स्वागत फार्मेसी संकाय के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह, संचालन सहायक आचार्य पीयूष आनंद व धन्यवाद ज्ञापन आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदान्तम ने किया। इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अरविंद सिंह कुशवाहा, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो . सुनील कुमार सिंह, कृषि विज्ञान के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे, पैरामेडिकल संकाय के प्राचार्य डॉ रोहित श्रीवास्तव, बीबीए लॉजिस्टिक विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. तरुण श्याम, डॉ अमित दुबे, डॉ अनुपमा ओझा, डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव, डॉ.आशुतोष श्रीवास्तव, धनंजय पाण्डेय, डॉ अमित उपाध्याय, डॉ अभिषेक कुमार सिंह, प्रवीण कुमार सिंह समेत सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मतदान के बीच सपा सांसद ने सरकार पर लगाए आरोप, बोले- अफसर हमारे कार्यकर्ताओं को धमका रहे

अयोध्या । सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि मिल्कीपुर की जनता और योगी सरकार के बीच है। सरकार अधिकारियों की मदद से चुनाव जीतना चाहती है लेकिन कामयाब नहीं होगी। मिल्कीपुर में उपचुनाव के लिए हो रहे मतदान के बीच सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि मिल्कीपुर उपचुनाव में भाजपा अपनी जमानत नहीं बचा पाएगी। ये चुनाव मिल्कीपुर की जनता और योगी सरकार के बीच का है। सीएम योगी को जनता पर भरोसा नहीं है। ये अधिकारियों के सहारे दबाव डालकर चुनाव जीतना चाहते हैं लेकिन ये सब हथकंडे काम नहीं आने वाले हैं। सांसद ने कहा कि मिल्कीपुर में कई जगह पर ईवीएम खराब हुई। सपा के बूथ एजेंटों को भगा दिया गया और कई जगहों पर फर्जी मतदान हुआ है। उन्होंने बूथ नंबर 412 पर मिल्कीपुर के एसडीएम पर सपा कार्यकर्ताओं को धमकाने का आरोप लगाया है। कहा कि एसडीएम ने धमकी देते हुए कहा कि यहां से भाग जाओ नहीं तो जिस तरह तुम्हारा सांसद रो रहा था, चुनाव बाद तुम्हें भी रोना पड़ेगा। बता दें कि बीते दिनों एक दलित युवती की दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले में मीडिया को संबोधित करते हुए सांसद अवधेश प्रसाद रो पड़े थे। उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा था।

सिद्धांत व व्यवहार अंतर को समझाता है सिमुलेशन : डॉ. देवीगा

गोरखपुर, 5 फरवरी। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय में सिमुलेशन वर्कशॉप के तीसरे दिन बुधवार को मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित एम्स गोरखपुर में कॉलेज ऑफ नर्सिंग के सहायक प्रोफेसर डॉ. देवीगा टी. ने कहा कि सिमुलेशन अंतर संवादी शिक्षण पर व्यावहारिक जानकारी प्रदान करता है। यह सिद्धांत और व्यवहार के बीच अंतर को समझाता है। डॉ. देवीगा ने सिमुलेशन आधारित शिक्षा में डी-ब्रीफिंग की कला पर महत्वपूर्णजानकारी दी। उन्होंने बताया कि फीडबैक और डी-ब्रीफिंग में अंतर को समझना जरूरी है। डी-ब्रीफिंग के लिए सुरक्षित वातावरण चाहिए और इसमें प्रतिभागियों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने बताया कि सिमुलेशन यह जटिल परिस्थितियों में आलोचनात्मक सोच, नैदानिक तर्क और निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाता है। डी-ब्रीफिंग इसका अंग है और एक संरचित, चिंतनशील प्रक्रिया है। यह प्रतिभागियों को अपने कार्य का विश्लेषण करने, निर्णय लेने पर चर्चा करने और सहायक वातावरण में सुधार के क्षेत्र की पहचान करने की अनुमति देता है। यह प्रदान घटना पर चिंतन की अवधारणा, तत्पश्चात विश्लेषण, चिंतनशील शिक्षण को बढ़ावा देने के अवसर प्रदान करता है इस अवसर पर डेल्टा हेल्थकेयर के चीफ सिमुलेशन एजुकेटर राहुल बिष्ट ने वर्कशॉप के प्रतिभागियों से अब तक मिले अनुभव के बारे में पूछा और उनका मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में नर्सिंग संकाय की उप प्राचार्या प्रिंसी जॉर्ज ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

एम्स में जेब्राफिश मॉडल से करेंगे इंसान में कैंसर का अध्ययन, रिसर्च इलाज में होगी कारगर

गोरखपुर। कैंसर रोग के कारणों की खोज और इलाज के लिए पारदर्शी मछली जेब्राफिश पर शोध होगा। इसके लिए एम्स गोरखपुर ने प्रस्ताव तैयार किया है। इस मछली और मानव अंगों के विकास में समानता की वजह से इस पर किए गए शोध से बीमारी के रहस्यों को समझना आसान होगा। इसकी कोशिकाओं में ट्यूमर के विकास को वैज्ञानिक देख सकेंगे। इस मछली का विकास तेजी से होने के कारण शोध परिणाम भी जल्द आने की उम्मीद रहेगी।कैंसर रोग के कारणों की खोज और इलाज के लिए पारदर्शी मछली जेब्राफिश पर शोध होगा। इसके लिए एम्स गोरखपुर ने प्रस्ताव तैयार किया है। इस मछली और मानव अंगों के विकास में समानता की वजह से इस पर किए गए शोध से बीमारी के रहस्यों को समझना आसान होगा। इसकी कोशिकाओं में ट्यूमर के विकास को वैज्ञानिक देख सकेंगे। इस मछली का विकास तेजी से होने के कारण शोध परिणाम भी जल्द आने की उम्मीद रहेगी।इस मछली में कैंसर के जीन को दोहरा कर देखा जाएगा कि कोशिकाओं में किस प्रकार के बदलाव हो रहे हैं। जेब्राफिश के भ्रूण पारदर्शी होते हैं, जिससे वैज्ञानिक ट्यूमर की वृद्धि और कैंसर कोशिकाओं के प्रसार को सीधे देख सकते हैं। यह जीव कई मामलों में मानव शरीर से मेल खाता है, जिससे कैंसर जैसे जटिल रोगों के अध्ययन के लिए एक उपयोगी मॉडल बन जाता है। अन्य जीवों की तुलना में जेब्राफिश बहुत तेजी से बढ़ता है, जिससे प्रयोगों के नतीजे जल्दी मिलते हैं। कैंसर के संभावित उपचार और नई दवाओं के परीक्षण में इस मॉडल के उपयोग से प्रभावी दवाओं की खोज में तेजी आएगी। पारदर्शी भ्रूण के कारण ट्यूमर के विकास को वास्तविक समय में ट्रैक किया जा सकता है। शोधकर्ताओं का लक्ष्य जेब्राफिश में जेनेटिक म्यूटेशन और सेलुलर इंटरैक्शन का अध्ययन करना है, जिससे कैंसर की उत्पत्ति और शरीर पर इसके प्रभाव को बेहतर तरीके से समझा जा सकेगा।

जेब्राफिश मॉडल का प्रस्ताव बनाया जा चुका है। इस प्रकार के शोध से कैंसर की वास्तविक स्थिति की पहचान जल्द हो सकेगी, जिससे उपचार शुरू करने में आसानी होगी। साथ ही कैंसर के उपचार के लिए प्रभावी दवाओं को भी खोजा जा सकेगाः डॉ. शैलेंद्र द्विवेदी, एसोसिएट प्रोफेसर, बायोकेमेस्ट्री विभाग, एम्स।

गन्ना बीज देने वाले किसानों को फैक्ट्री देगी अतिरिक्त लाभ

न्यूज़ वाणी

परसेंडी सीतापुर परसेंडी के महोत्सव रिसॉर्ट धोधी में दि सेक्सरिया शुगर मिल बिसवां की तरफ से आयोजित किसान गोष्ठी में पहुंचे गन्ना सलाहकार डॉक्टर राम कुशल सिंह ने बसंत कालीन गन्ने की बुवाई में ट्रच विधि से करने की सलाह देते हुए किसानों को आर्गेनिक खेती से होने वाले लाभ और किसानों को कम पैसे में अधिक पैदावार करने के उपाय बताए , किसानों से 0118 , 15023 प्रजाति के गन्ने की बुवाई करने की सलाह देते हुए बताया की आप लोग ट्रेंच विधि से अगर गन्ने की बुवाई करते है तो गन्ने के साथ साथ सहफसली खेती के रूप में उड़द की बुवाई करके अधिक पैसे कमा सकते है गोष्ठी में आए किसानों जीवा मृत बनाने की विधि भी बताई गई , गोष्ठी में पहुंचे सहायक गन्ना महाप्रबंधक अमरीश कुमार ने बताया कि बसंत कालीन गन्ना बुवाई 0118 प्रजाति की अगर कोई किसान 1 हेक्टेयर बुवाई करता है तो उसे मिल की तरफ से 3 बोरी मृदाकल्प निःशुल्क दिया जायेगा और अगर कोई किसान 15023 गन्ने की बुवाई 1 हेक्टेयर करता है तो उसे 5 बोरी मृदाकल्प मिल की तरफ से निःशुल्क दिया जायेगा वहीं 15023 का बीज जो किसान दूसरे किसान को देगा मिल की तरफ से उस किसान को 50 रु क्विंटल बोनस दिया जाएगा इस मौके सहायक गन्ना प्रबंधक अंजुल तोमर , रमेश श्रीवास्तव , विकास दीक्षित डेवलपेंट कर्मचारी ,वीरेश मिश्रा , उत्तम सिंह , धर्मेन्द्र दत्त शुक्ला , राजकिशोर सिंह , सुजीत सिंह , चन्द्रिका मौर्या , गमलेश सिंह , राजेश , सहित सैकड़ों की संख्या में किसान मौजूद रहे

एथलेटिक मीट का दूसरा दिन हुआ और अधिक रोमांचक

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में चल रहे वार्षिक एथलेटिक मीट का दूसरा दिन और भी अधिक रोमांचित करने वाला रहाण् क्रीडा परिषद के सचिव डॉण् राजवीर सिंह ने बताया कि पिछले वर्ष की तुलना में छात्रा खिलाड़ियों के प्रदर्शन में गुणात्मक परिवर्तन आया हैण् तो वहीं दूसरी तरफ छात्र वर्ग में खिलाड़ियों ने कल की तुलना में आज दर्शकों को और अधिक रोमांचित कर दिया क्रीडा परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर विमलेश मिश्र ने कहा कि वार्षिक खेलकूद का यह दूसरा दिन आशा से अधिक संतोषप्रद रहाण् एथलेटिक मीट बहुत ही व्यवस्थित ढंग से चल रहा हैण् विवाद की कोई स्थिति नहीं बनीण् सभी खिलाड़ी अपने श्रेष्ठतम को प्रदर्शित कर रहे हैंण् आशा है एथलेटिक मीट का आखिरी कल का दिन और भी अधिक दिलचस्प होगा इस अवसर पर प्रमुख रूप से प्रतिकुलपति प्रोफेसर शांतनु रस्तोगीए प्रोण्राजवंत रावए प्रोण् रजनीकांत पाण्डेयए प्रोण् उमेश नाथ त्रिपाठीए प्रोण् नंदिता सिंहए प्रोण् जितेंद्र मिश्रए प्रोण्सुधीर श्रीवास्तवए प्रोण् विजय कुमार श्रीवास्तवए प्रोण् करुणाकर राम त्रिपाठीए प्रोण् हर्ष कुमार सिन्हाए प्रोण् अनुभूति दुबेए प्रोण्आलोक गोयलए प्रोण् विजय चहलए प्रोण्प्रत्यूष दुबे सहित विश्व विद्यालय के अधिकांश शिक्षक एवं कर्मचारियों के साथ बड़ी संख्या में खेल प्रेमी विद्यार्थी इत्यादि उपस्थित रहे दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की वार्षिक एथलेटिक्स प्रतियोगिता के दूसरे दिन का परिणाम 20 किलोमीटर वॉक रेस पुरुष.प्रथम स्थान .सन्नी .बहादुर यादव मेमोरियल पीण्जीण् कालेजए द्वितीय स्थान.रुद्र यादव.नेशनल पीण्जीण् कालेज बड़हलगंज ए तृतीय स्थान. रत्नेश प्रसाद . 20 किलोमीटर वॉक रेस महिला वर्ग .प्रथम स्थान .खुशी आदित्य .दिग्विजय नाथ पीण्जीण् कालेजए द्वितीय स्थान.प्रीति सिंह .बुद्धा पीण्जीण् कालेज कुशीनगर ए तृतीय स्थान. सृजल चौरसिया . बुद्धा पीण्जीण्कालेज 10 हजार मीटर रेस पुरूष वर्ग .प्रथम स्थान .रामाश्रय भारद्वाज.गोरखपुर विश्वविद्यालयए द्वितीय स्थान.शिव कुमार निषाद .दिग्विजय नाथ पीण्जीण् कालेजए तृतीय स्थान.रुद्र यादव . नेशनल पीण्जीण्कालेज 10 हजार मीटर रेस महिला वर्ग .प्रथम स्थान .खुशबू निषाद.महंत अवेधनाथ राजकीय महाविद्यालयए द्वितीय स्थान.काजल पासवान .संत विनोवा भावे पीण्जीण् कालेजए तृतीय स्थान.सुनीता .एमण् पीण् पीण्जीण्कालेज 110 मीटर रिले रेस पुरूष वर्ग .प्रथम स्थान .हैदर.बहादुर यादव पीण्जीण्कालेजए द्वितीय स्थान.आफ्ताब अली .बहादुर यादव पीण्जीण् कालेजए तृतीय स्थान.सिद्धार्थ पांडेय . रामजी सहाय पीण्जीण्कालेज 100 मीटर रिले रेस महिला वर्ग .प्रथम स्थान .अंशु चौरसिया. नेशनल पीण्जीण्कालेजए द्वितीय स्थान.रिंकी भारती .संत विनोवा पीण्जीण् कालेजए तृतीय स्थान . वंदना शर्मा . एमण्एमण्एमण् पीण्जीण्कालेज ट्रिपल जम्प पुरूष वर्ग .प्रथम स्थान .अभिषेक यादव.बहादुर यादव मेमोरियल पीण्जीण्कालेजए द्वितीय स्थान.सूरज कुशवाहा .गोरखपुर विश्वविद्यालय ए तृतीय स्थान.राहुल पासवान. नाथ चंद्रावती पी जी कालेज ।

(हिन्दी दैनिक)
न्यूज़ वाणी

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक फतेहपुर किंग सेवा संस्थान के लिए नफीस अहमद जाफ़री द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29 पुराना किला, कैन्ट रोड लखनऊ से मुद्रित एवं 459/786 महताब बाग अपोज़िट शीश महल तालाब दुर्गा मार्ग चौक लखनऊ, उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक
सैयद दानिश अब्बास
मो0 नं — 9451548620

Email- dailynewswani@gmail.com

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय ही मान्य होगा।

इस अंक में प्रकाशित लेखों के चयन व संपादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट के अर्न्तगत उत्तरदायी।